भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

जयपुर, 8 फरवरी - 14 फरवरी, 2023

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

फाल्गुन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - तृतीया, संवत 2079 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-8, अंक-50, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

काश! भागवत 'पंडितों' के बजाए विद्वान शब्द का प्रयोग कर लेते!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

इन दिनों रामचरित मानस की चौपाई पर देशभर में विवाद छिड़ा हुआ है। इससे संत समाज और भगवान श्रीराम के भक्त पहले से ही आहत हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का बयान कि जातियां भगवान ने नहीं, पंडितों ने बनाई' भी लोगों को आहत कर गया। यहां समझ और बोल का ही फर्क है। अधिकांश लोग पंडित शब्द से तात्पर्य ब्राह्मण जाति के लिए समझ रहे हैं, जबकि पंडित शब्द का अर्थ विद्वान के लिए भी प्रयुक्त किया जाता है। समाज में सुधार करे उसे पंडित ही कहा जाता है। उदाहरण के लिए राजा राम मोहन राय, दयानन्द सरस्वती, कबीरदास, संत रैदास और भी बहुत से समाज सुधारक हुए हैं, ये सभी पंडित (विद्वान) कहलाते हैं। अब हर व्यक्ति को तो यह समझाया नहीं जा सकता कि ये पंडित शब्द ब्राह्मणों के लिए नहीं है। इस समय हर कोई ब्राह्मणों को निशाने पर ले रहे हैं। समाज की हर बुराई का ठीकरा ब्राह्मणों के ऊपर फोड़ा जा रहा है। जबकि हमारे देश में संस्कृति के अनुसार सारी जातियों को जोड़ने का काम ब्राह्मणों द्वारा किया गया है। जन्म से लेकर विवाह और मरण तक के कार्यों में समाज के हर वर्ग को जोड़ा गया है। उदाहरण के लिए जैसे ही किसी के घर में बच्चे-बच्चियों का जन्म होता है, तुरन्त ब्राह्मण के पास पहुंचते हैं। ब्राह्मण के बताए अनुसार वहां नाई, कुम्हार, दाई, चूड़ा पहनाने वाले मनिहार, सफाईकर्मी आदि सभी को बुलाया जाता है और उन सबके सहयोग से कार्य सम्पन्न करने का विधान बनाया हुआ है। इसी तरह कोई भी मांगलिक कार्य जैसे विवाह आदि अकेला परिवार या जाति द्वारा नहीं हो सकता। विवाह में ब्राह्मण द्वारा सामग्री लिखवाई जाती है जिसमें रोली, मोली, धूप, गुलाबी कपड़े, बुलावे के लिए नाई, चाक पूजन के लिए कुम्हार के घर से कलश, ताशे बजाने वाले-बैण्डबाजे, खाती के घर से फेरों के लिए बांस का मंडप, तोरण के लिए चुड़कली, सफाई व्यवस्था। इसी प्रकार मृत्यु होने पर भी सारे समाज मिलकर कार्य सम्पन्न करते हैं। कहने का तात्पर्य है कि समाज के हर जाति-वर्ग को जोड़कर उनके सहयोग से कार्य सम्पन्न करने की व्यवस्था की गई है। ये समाज की समरसता का प्रमाण है। मगर हर तरह का आरोप ब्राह्मणों पर लगाया जा रहा है जैसे कि समाज में फैली तमाम बुराईयों का कारण ब्राह्मण हो। ब्राह्मण तो हमेशा से गरीब और सीमित साधनों में रहते हुए विद्या का दान और समाज को जोड़ने का काम करता आ रहा है। ऐसे में भागवत का पंडितों पर जातियां बनाने की बात कह देना सही नहीं कहा जा सकता। क्योंकि आम आदमी पंडित शब्द को ब्राह्मणों से जोड़कर ही देखता है।

राज्य बजट 10 को : सीएम गहलोत का ड्रीम प्रोजेक्ट

युवा और किसान को समर्पित होगा बजट!

बजट पेश करने से पहले ही तेज हुआ प्रचार-प्रसार, प्रदेश भर में लगे होर्डिंग्स

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। 15वीं विधानसभा के चल रहे आठवें सत्र के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 10 फरवरी को अपनी सरकार का पांचवा और अंतिम बजट पेश करने वाले हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि बजट पेश करने से पहले ही पांचवे और अंतिम बजट का प्रचार प्रसार सरकार की ओर से तेज हो गया है। 10 फरवरी को पेश होने वाले बजट को लेकर बड़े-बड़े होर्डिंग्स बैनर राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में लगाए गए हैं जिसे लेकर भी सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका है।

सूत्रों की मानें तो यह यह हार्डिंग्स बैनर सरकार की ओर से अलग-अलग प्रमुख चौराहे पर लगाए गए हैं जो लोगों के बीच में चर्चा का विषय बने हुए हैं। बचत, राहत और बढ़त स्लोगन से लगाए गए होर्डिंग्स बैनर में लिखा है कि 10 फरवरी को आ रहा है राजस्थान बजट 2023, इसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मुस्कुराते हुए फोटो भी लगाई हुई है। सियासी हलकों में भी चर्चा इस बात की है कि ऐसा पहली बार हो रहा है जब गहलोत सरकार अपने पांचवें और अंतिम बजट को पेश करने से पहले ही उसके प्रचार प्रसार में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है पांचवा और अंतिम बजट

दरअसल गहलोत सरकार का पांचवा और अंतिम बजट मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया जा रहा है। पांच और अंतिम बजट को लेकर मुख्यमंत्री पहले भी कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि यह बजट युवाओं और किसानों को समर्पित होगा। ऐसे में पांचवें और अंतिम बजट के जरिए बड़ी लोकलुभावन घोषणाएं करके मुख्यमंत्री गहलोत आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर युवाओं और किसानों को साधने का प्रयास करेंगे।

बजट घोषणाओं के अमलीजामा पहनाने की भी जल्दी

सूत्रों की माने तो पांचवें और अंतिम बजट में की जाने वाली घोषणाओं को लेकर भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अभी से ही प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त निर्देश दे दिए हैं कि बजट घोषणाओं के साथ ही जल्द से जल्द इनके रि यान्वयन पर भी जोर दिया जाए जिससे कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर लगने वाली आचार संहिता से पहले पहले तमाम घोषणाओं को अमलीजामा पहनाकर उन्हें धरातल पर उतारा जाए जिससे कि आमजन को भी योजनाओं का लाभ मिल सके।

गाँव+गरीब+मध्यमवर्ग के लिए निर्मला बजट

7 लाख तक की आय पर टैक्स खत्म

मोदी सरकार का दसवां बजट क्या उम्मीदों पर खरा उतरा? बजट में पुराने और नए टैक्स रिजीम के मायाजाल को समझने में थोड़ा वक्त तो लगा, लेकिन आम राय यह है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने इस बयान को सही साबित किया है कि वह मध्यवर्ग की ख्वाहिश को समझती हैं। अलबत्ता इस बार के बजट पर देश ही नहीं, दुनिया की नजर भी टिकी थी, क्योंकि अकेला भारत ही है जिसका जहाज विश्वव्यापी उथल-पुथल के बीच भी पूरी शान से आगे बढ़ रहा है। ऐसे माहौल में जब तमाम मुल्क औंधे मुंह गिर रहे हैं, भारत की इकॉनमी दुनिया को आस बंधा रही है। तूफान में जहाज को आगे बढ़ाते रहने का मजबूत वादा इस बजट ने किया है। ठोस वित्तीय बुनियाद के साथ जबरदस्त निवेश के जरिए यह तरक्की को रफ्तार देने वाला बजट साबित हो सकता है।

5 संदेश बजट के

आर्थिक सुस्ती और भविष्य में उठापटक की आशंका के बीच सरकार ने बजट में रक्षात्मक रुख के साथ संतुलन साधा है। सरकार ने पांच सियासी और आर्थिक संदेश देने की कोशिश की है। बता रहे हैं **नरेंद्र नाथ**

1 मिडल क्लास को खुश करने की कोशिश

कुछ वर्षों में मिडल क्लास ने जिस तरह राजनीति में रुचि बढ़ाई है और नैरेटिव बनाने में जिस तरह इस तबके की भूमिका सामने आई है। उसके अनुरूप इस वर्ग को सरकार से उम्मीद के मुताबिक, सौगात नहीं मिली थी। लेकिन इस बजट में इस वर्ग को भी काफी कुछ मिला है। इनकम टैक्स स्लैब में बड़े बदलाव और नौकरियों पर जोर से सरकार ने मिडिल क्लास को संबोधित करने की कोशिश की है।

2 गरीबों पर फोकस

बीजेपी की लगातार मजबूत सियासी स्थिति में गरीब वोटरों का बड़ा योगदान रहा है। ऐसे में इस बजट में मुफ्त अनाज, हर घर जल, सभी को घर से जुड़ी योजनाओं के जरिए सरकार ने इस तबके पर अपनी पकड़ बनाए रखने की पूरी मंशा दिखाई है। जिस तरह बीते कुछ महीनों से सरकार ने आदिवासी समुदाय के बीच अपनी कमजोर होती पकड़ को मजबूत करने की कोशिश की है, उसकी भी झलक इस बजट में दिखी।

3 किसान का भी ध्यान

बजट में खेती और किसान पर भी जोर रहा। दरअसल बीते कई वर्षों से किसानों का मोदी सरकार के साथ रिश्ता उतार-चढ़ाव भरा रहा है। साल 2019 से पहले जब पूरे देश में अलग-अलग किसान आंदोलन हुए, तब किसान सम्मान निधि का एलान हुआ, जिसका लाभ तब चुनाव में मिला। इस बार खेती के कर्ज का लक्ष्य 2023-24 के लिए बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये किया गया है। लेकिन कई मदों में कटौती भी की गई।

4 रेवड़ी कल्चर से परहेज़

बजट से पहले किसान सम्मान निधि बढ़ाने की चर्चा थी। सुगबुगाहट यह भी थी क्या विपक्ष के दबाव में सरकार पुरानी पेंशन की वापसी का संकेत देगी? लेकिन सरकार ने परहेज किया। कोई बड़ी मुफ्त योजना का ऐलान भी नहीं किया। दरअसल पिछले दिनों पीएम ने रेवड़ी कल्चर के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। ऐसे में बजट में इन चीजों से परहेज किया गया। मुफ्त राशन को जरूर जारी रखा गया, लेकिन फूड सब्सिडी में कमी की भी बात कही गई।

5 भविष्य के प्रति सतर्क

केंद्र सरकार ने इस बार के बजट में सकारात्मक संदेश देने की भी पूरी कोशिश की, लेकिन भविष्य की आर्थिक अनिश्चितता का साफ असर भी दिखा। मंदी की आशंका के बीच सरकार ने कोई बड़ा जोखिम लेने से परहेज किया। ऐसे फैसलों से भी दूरी रखी जो बाजार का सेंटिमेंट कमजोर करे।

मिडल क्लास को राहत, इकॉनमी को मज़बूती

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अगले साल आम चुनाव से पहले केंद्र की मोदी सरकार ने मिडल क्लास और नौकरीपेशा लोगों को इनकम टैक्स के मोर्चे पर बड़ी राहत दी। इसके तहत नई टैक्स रिजीम यानी इनकम टैक्स की नई व्यवस्था चुनने वालों को 7 लाख रुपये की आय तक कोई टैक्स नहीं देना होगा। साथ ही, इस टैक्स रिजीम को लेने वालों को 50 हजार रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन भी मिलेगा। ऐसे में नई टैक्स व्यवस्था में 7.50 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। हालांकि निवेश और भत्तों से छूट पर आधारित पुरानी टैक्स व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई टैक्स व्यवस्था को आकर्षक बनाते हुए इसके टैक्स स्लैब की संख्या को भी सात से घटाकर छह कर दिया गया है। साथ ही, इन स्लैब में टैक्स छूट की सीमा को बढ़ाकर तीन लाख रुपये कर दिया गया है। पहले यह छूट सीमा ढाई लाख रुपये तक ही थी। वहीं, दो करोड़ रुपये से ज्यादा आय वालों के लिए सरचार्ज की उच्चतम दर को 37% से घटाकर 25% कर दिया गया है। गैर-सरकारी कर्मचारियों के लिए टैक्स फ्री लीव इनकैशमेंट की सीमा भी तीन लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है।

नई टैक्स व्यवस्था में ज़्यादा आज़ादी

स्लैब	टैक्स रेट
0-3 लाख	NIL
3-6 लाख	5%
6-9 लाख	10%
9-12 लाख	15%
12-15 लाख	20%
15 लाख से ज्यादा	30%

पहले थे सात स्लैब

स्लैब	टैक्स रेट
0-2.50 लाख	NIL
2.50-5 लाख	5%
5-7.50 लाख	10%
7.50-10 लाख	15%
10-12.50 लाख	20%
12.50-15 लाख	25%
15 लाख से ज्यादा	30%

अंदर पढ़े: खुलेंगे 157 नये नर्सिंग कॉलेज

पुराना ऑप्शन भी चुन सकेंगे

पुरानी टैक्स व्यवस्था भी जारी रहेगी, लेकिन उसमें कोई राहत न मिलने से करदाताओं को निराशा जरूर हाथ लगी है, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि सरकार नई टैक्स व्यवस्था को आकर्षक बनाने के साथ ही पुरानी टैक्स व्यवस्था अपनाने वालों को भी कुछ राहत देगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार का मकसद नई टैक्स व्यवस्था को ज्यादा आकर्षक बनाना है। हमने बजट में यह करने की कोशिश की है। सरकार ने नई टैक्स व्यवस्था को 'डिफॉल्ट' बनाने का प्रस्ताव भी रखा है। यानी अगर आपने आयकर रिटर्न भरते समय पुरानी टैक्स व्यवस्था को नहीं चुना तो खुद ब खुद आप नई टैक्स व्यवस्था के दायरे में होंगे। अगर आपको पुरानी टैक्स रिजीम को चुनना है तो इनकम टैक्स पोर्टल में जाकर पुरानी टैक्स व्यवस्था के विकल्प को चुनना होगा।

पुरानी टैक्स व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं

स्लैब	टैक्स रेट
0-2.50 लाख	NIL
2.50-5 लाख	5%
5-10 लाख	20%
10 लाख से ज्यादा	30%

जागरूक जनता jagrukjanta.net फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

छोटी बचत में बड़ा फायदा

महिलाओं के लिए 7.5% ब्याज वाली योजना

महिलाओं के लिए छोटी अवधि की नई बचत योजना 'महिला सम्मान सेविंग सर्टिफिकेट' का प्रस्ताव रखा गया है। इस पर 7.5% की दर से ब्याज मिलेगा। इस योजना की मियाद दो वर्ष की है, जो मार्च 2025 में खत्म हो जाएगी।

स्कीम में 30 लाख तक जमा कर सकेंगे बुज़ुर्ग

सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम में बुजुर्ग अब अधिकतम 30 लाख रुपये तक जमा कर सकेंगे। पहले अधिकतम सीमा 15 लाख तक ही थी। अब बुजुर्ग इस योजना में अपनी जमा को दोगुना कर सकते हैं। अभी 8% ब्याज मिल रहा है।

मंथली इनकम स्कीम में डिपॉज़िट डबल

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम यानी MIS में सिंगल अकाउंट में अधिकतम 9 लाख रुपये जमा कर सकेंगे। पहले सिंगल अधिकतम जमा सीमा 4.5 लाख रुपये थी। जॉइंट अकाउंट के लिए यह सीमा बढ़ाकर 15 लाख रुपये होगी।

विदेशी दौरे और महंगे बीमा पर टैक्स

विदेश में घूमने जाना और वहां पैसा भेजना अब हो जाएगा महंगा

विदेश यात्रा या देश से बाहर पैसा भेजना महंगा पड़ेगा। विदेशी टूर पैकेज और 7 लाख रुपये से ज्यादा देश से बाहर भेजने पर स्रोत पर कर संग्रह यानी (TCS) को बढ़ाकर 20% करने का प्रस्ताव है। इसके लिए आयकर अधिनियम की धारा 206C में बदलाव होगा। यह संशोधन 1 जुलाई 2023 से प्रभावी होगा। पहले यह टैक्स 5% लगता था। इसका मकसद विदेशी दौरों पर ज्यादा खर्च को रोकना है।

बीमा पर सालाना प्रीमियम 5 लाख से ज़्यादा तो भरना पड़ेगा टैक्स

अगर जीवन बीमा पॉलिसी पर कुल सालाना प्रीमियम पांच लाख रुपये से ज्यादा है तो बीमा पॉलिसी के मच्योरिटी अमाउंट पर टैक्स देना होगा। बजट का यह प्रस्ताव उन बीमा पॉलिसी (यूलिप के अतिरिक्त) पर लागू होगा, जो 1 अप्रैल 2023 या इसके बाद जारी की गई हैं। बीमित व्यक्ति की मौत की स्थिति में प्राप्त होने वाली राशि पर टैक्स छूट बरकरार रहेगी।

ये चीजें सस्ती

टीवी-मोबाइल, गीज़र, खिलौने सस्ते हुए

LED टीवी, कपड़े, मोबाइल फोन, खिलौने, मोबाइल कैमरा लेंस, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, आर्टिफिशल हीरों के गहने, लिथियम सेल, साइकल, कॉस्मेटिक्स और दवाएं, क्लानिंग एजेंट, आयरन (प्रेस), इंडक्शन, माइक्रोवेव, गीजर, हेयर स्ट्रेटनर, बायोगैस से जुड़ी चीजें।

ये सामान महंगा

सिगरेट, शराब, छाता, गोल्ड बार हुए महंगे

सिगरेट, शराब, छाता, किचन की विदेशी चिमनी, सोना, हीरा, विदेश से आयातित चांदी और उससे बना सामान, एक्सरे मशीन, गोल्ड बार, प्लेटिनम से बना इंपोर्टेड सामान, पीतल, विदेशी इलेक्ट्रिक गाड़ियां, विदेशी खिलौने, विदेश से आयातित साइकल।

इस बजट के मायने

ग्रोथ के लिए सरकार ने खोल दिया खज़ाना

इस बजट ने पूंजीगत खर्च यानी कैपिटल एक्सपेंडिचर की हैटट्रिक लगाई है। इसके साथ इसमें टैक्स छूट और राजकोषीय घाटे (फिस्कल डेफिसिट) को कम करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। टैक्स छूट की सीमा को पांच लाख से बढ़ाकर सात लाख करने से बीजेपी का मिडल क्लास के साथ 'लव अफेयर' और गहरा होगा। इसके साथ यह भी मानना होगा कि यह चुनावी बजट नहीं है। यानी इसमें रेवड़ियां नहीं बांटी गई हैं। सरकार ने पीएम किसान निधि योजना के लिए नॉमिनल टर्म (जिसमें महंगाई के असर को शामिल किया जाता है) में रकम नहीं बढ़ाई है, इसलिए असल में देखें तो इस मद में आवंटन घटा है। इसके साथ, राजकोषीय घाटे को भी जीडीपी के 6.4% से घटाकर 5.9% करने का वादा किया गया है। इतना ही नहीं, अगले दो वर्षों के लिए इसमें हर साल 0.7% कटौती का भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वादा किया है। यह लक्ष्य बहुत ऊंचा है और इसे तभी हासिल किया जा सकेगा, जब ग्लोबल इकॉनमी की हालत बेहतर हो। बजट में टैक्स से आमदनी में 10.5% की बढ़ोतरी का लक्ष्य रखा गया है, जो नॉमिनल जीडीपी के मुताबिक है। इसलिए सरकार की असल आमदनी में बढ़ोतरी इससे अधिक ही हो सकती है, बशर्ते इसमें हाल में जिस तरह से बढ़ोतरी हुई है, वह ट्रेंड आगे भी जारी रहे। लेकिन इतने संतुलित बजट से बाजार खुश नहीं हुआ और निफ्टी 0.26 फीसदी नीचे जाकर बंद हुआ। वैसे, इसकी बड़ी वजह अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई गिरावट थी।

स्वामिनाथन एस. अंकलेसरिया अय्यर, अर्थशास्त्री

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 33% बढ़ा बजट, गरीबों के आवास के लिए 66% ज्यादा फंड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बजट में सभी वर्ग को राहत देने से लेकर देश की विकास की रफ्तार को बरकरार रखने और साथ ही वित्तीय अनुशासन पर भी जोर रहा। इसी दिशा में सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट पर पूंजीगत खर्च 33% बढ़ाकर 10 लाख करोड़ करने का ऐलान किया है। वित्त मंत्री का कहना है कि राजकोषीय घाटा 2023-24 में 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसे 2025-26 तक 4.5% से नीचे लाया जाएगा। 2022-23 में यह 6.4% रह सकता है।

रेलवे, एयरपोर्ट को ज्यादा फंड: रेलवे के 100 अहम प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए 2.4 लाख करोड़ दिए जाएंगे। 50 एयरपोर्ट को भी डिवेलप किया जाएगा।

घर का सपना: गरीबों के घर का सपना पूरा होगा। पीएम आवास योजना पर होने वाले खर्च को 66% बढ़ाया गया है। इसका बजट अब 79,000 करोड़ रुपये हो जाएगा। मैनहोल की सफाई पूरी तरह मशीन से होगी।

पैन से पहचान: अब पैन कार्ड भी KYC के लिए पहचान के प्रमाण के रूप में मान्य होगा। तीन करोड़ तक के MSME's को ऑडिट की जरूरत नहीं है। स्टार्टअप्स की इनकम टैक्स छूट को 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

श्री अन्न योजना: मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए श्रीअन्न योजना शुरू की जाएगी। गरीबों को मुफ्त राशन देने की योजना जारी रहेगी। तीन साल में 1 करोड़ किसानों को नेचरल फार्मिंग के लिए बढ़ावा दिया जाएगा।

तकनीक से पढ़ाई: 30 स्किल इंडिया इंटरनैशनल सेंटर शुरू किए जाएंगे, जिनके जरिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और रोबॉटिक्स के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। डिजिटल लाइब्रेरी का दायरा बढ़ेगा।

एक्सिलेंस वाली रिसर्च: अब 5G पर रिसर्च के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों में 100 लैब बनेंगी। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए तीन नए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस बनाए जाएंगे।

नई योजनाएं: पीएम-प्रणाम योजना से राज्यों को उर्वरकों का इस्तेमाल कम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मिष्टी योजना से मैंग्रोव वनों को बचाया जाएगा।

PF से निकासी पर कम टैक्स

विस, नई दिल्ली: अगर PAN नहीं है तो ऐसे मामलों में इंप्लॉयी प्रोविडेंट फंड (EPF) से निकासी पर टैक्स अब कम लगेगा। पहले टैक्स योग्य राशि पर यह टैक्स कटौती 30% थी, जिसे बजट में घटाकर 20% करने का प्रस्ताव है। इससे उन लोगों को मदद मिलेगी, जिनका PAN ईपीएफओ के रेकॉर्ड में अपडेट नहीं है। स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड डिबेंचर के ब्याज पर भी TDS कटेगा। इस पर 10% की दर से टीडीएस लगेगा। अभी तक लिस्टेड डिबेंचर के ब्याज के भुगतान पर कोई टीडीएस नहीं कटता था। डिबेंचर पर ब्याज भुगतान के संबंध में टीडीएस से छूट मिलती रही है।

Midjourney

निर्मला ने 'सप्तर्षि' से दिखाई विकास की राह

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सप्तर्षि का प्रयोग बजट के मुख्य सात लक्ष्यों को समझाने के लिए किया है।

1. **समावेशी विकास:** ऐसा विकास, जिसमें सब साथ हों।
2. **वंचितों को वरीयता:** सबके विकास के लिए समाज के वंचितों पर रहेगा खास फोकस।
3. **बुनियादी ढांचा और निवेश:** इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और निवेश बढ़ाने पर रहेगा जोर।
4. **क्षमता विस्तार:** युवाओं की क्षमताओं को बढ़ाया जाएगा।
5. **हरित विकास:** सरकार मोटे अनाजों को तवज्जो देगी, ताकि किसानों की हालत सुधरे।
6. **युवा:** भारत की सबसे बड़ी ताकत युवा शक्ति ही है। उन पर सरकार देगी खास ध्यान।
7. **वित्तीय क्षेत्र:** केंद्र सरकार देश की वित्तीय स्थिति को लाभ पहुंचाने के लिए हर संभव और जरूरी कदम उठाएगी।

एक चूक पर सब हंसे गलती से पल्यूटिंग वीइकल को पॉलिटिकल वीइकल बोला तो सब ठहाके लगाने लगे, फिर निर्मला बोलीं- सॉरी

भाषण के बीच मोदी-मोदी...भारत जोड़ो के नारे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को जब मौजूदा सरकार का आखिरी पूर्ण बजट पेश कर रही थीं, तो सदन में सांसद जोशीले अंदाज में नारे लगाते दिखे। सत्ता पक्ष की ओर से 'जय श्री राम', 'भारत माता की जय' और 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए गए वहीं कांग्रेसी सांसदों ने 'जोड़ो-जोड़ो, भारत जोड़ो' के नारे लगाए।

वित्त मंत्री लाल रंग की टेंपल बॉर्डर वाली सिल्क साड़ी में बजट पेश करने संसद पहुंचीं। उनके हाथों में बही-खाते के प्रतीक के रूप में लाल रंग के बैग में टैबलेट थी, जिससे उन्होंने बजट पढ़ा। वित्त मंत्री की बेटी वांग्मयी भी दर्शक दीर्घा में बजट भाषण सुन रही थीं। एनडीए के सांसदों ने 100 से ज्यादा बार मेज थपथपाकर स्वागत किया।

भाषण के दौरान सांसदों में हल्की नोक-झोक भी हुई। जब कैमरा वित्त मंत्री और सत्ता पक्ष की ओर घूमता तो कांग्रेस खेमे की तरफ से कहा जाता कि अब राहुल गांधी भी आ गए हैं, कैमरा हमारी तरफ भी कीजिए। विपक्ष सदन के कैमरों का फोकस अपनी सीटों की ओर करने के लिए भी कह रहा था। प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों का जिक्र करते हुए एक बार वित्त मंत्री पॉल्यूटिंग वीइकल की जगह गलती से पॉलिटिकल वीइकल बोल गईं। इसे सुनते ही सदन में ठहाके गूंज उठे। वित्त मंत्री ने मुस्कुराते हुए फौरन अपनी गलती सुधारी।

हम 5 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहे हैं। सरकार का फोकस डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर है।

- निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री (बजट के बाद)

जीत का रंग: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संबलपुरी सिल्क की लाल साड़ी में नजर आईं। इसे टेंपल साड़ी भी कहते हैं, जो सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है।

भाषण में 59 बार टैक्स बोलीं निर्मला

लंबे अर्से बाद यह पहला मौका होगा, जब वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान किसी कविता, शायरी, संस्कृत काव्य या श्लोक का जिक्र नहीं किया। उन्होंने 1 घंटे 27 मिनट का भाषण दिया, जो उनका अब तक का सबसे छोटा बजट था। इस बजट भाषण में 61 बार इंडिया और नेशन कहा गया। 59 बार टैक्स का जिक्र आया। इस भाषण के साथ वह छठी वित्त मंत्री भी बन गईं, जिन्होंने 5 साल लगातार बजट पेश किया।

जागरूक खबरें

देश निर्माण में युवाओं को आगे आना होगा-पूनियां

अजमेर @ जागरूक जनता। राजस्थान में प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष सतीश पूनियां ने युवाओं का आह्वान किया है कि देश निर्माण में उन्हें आगे आना होगा।डॉ. पूनियां आज यहां महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय तथा सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में अलग अलग कार्यक्र मों में छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्र शक्ति समाज और देश को बदल सकती है। भारत देश का नागरिक होना गर्व की बात है और युवाओं को इसे समझना होगा और इस बात पर चिंतन करना होगा कि देशहित में कौन काम कर रहा है।

संघ प्रमुख भागवत अपने बयान को वापस ले और माफी मांगे- मंजू शर्मा

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय स्वयं संघ के प्रमुख मोहन भागवत के बयान से मंजू शर्मा (उपाध्यक्ष, राजस्थान राज्य विप्र कल्याण बोर्ड, राजस्थान सरकार) ने असहमति जताते हुए उनसे पंडितों के खिलाफ दिए गए बयान को वापस लेने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बात कही है। उन्होंने कहा कि पंडित शब्द हर आम और खास विद्वान व्यक्ति के लिए प्रयुक्त होता है। हमारी संस्कृति में हर ऐसे व्यक्ति को पंडित की उपमा दी जाती है जो समाज को एक नई राह दिखाए और समाज सुधार का काम करता है। मंजू शर्मा ने कहा कि समाज सुधारक पंडित मदनमोहन मालवीय, राजाराम मोहन राय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, संत कबीरदास, संत रैदास ने भारतीय समाज व संस्कृति के उत्थान में अहम योकदान दिया। इन्होंने समाज में प्रचलित कुप्रथाओं के खिलाफ कार्य किया। ये हमारे समाज के विद्वान यानि की 'पंडित' थे। अतः संघ प्रमुख द्वारा दिए गए ऐसे बयान की कड़ें शब्दों में आलोचना की जाती है। संघ प्रमुख द्वारा दिए गए बयान का उचित स्पष्टीकरण भी दिया जाना चाहिए और अपने बयान को वापस लेते हुए सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

भागवत के बयान की अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद ने की निंदा

नई दिल्ली/जयपुर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव शर्मा ने मीडिया को बताया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ब्राह्मणों ने कहा है कि जातियों का बटवारा ब्राह्मणों ने किया है। भागवत जी को मै बताना चाहता हूँ की ब्राह्मणों की 80% आबादी भाजपा को वोट देती है और ये उसके डिक्लेअर वोटर्स है, जिन पर हमेशा हमेशा के लिए मोहर लग चुकी है, चूंकि समय का बदलाव हुआ है, समाज मे जागरूकता आयी है, इसलिए अब अगर ब्राह्मणो के खिलाफ ऐसा ही व्यवहार रहा तो वापिस वही आ जाओगे, जहां पर पहले स्थित थे। अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) एक अराजनैतिक ब्राह्मण संगठन है और आपके बयान की कड़ी निंदा करता है और आगामी समय मे माकूल जवाब देने की क्षमता भी रखता है।

फार्मासिस्टों का धरना वार्ता के बाद समाप्त

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ (एकीकृत) के नेतृत्व में दस सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार को फार्मासिस्टों ने शहीद स्मारक पर धरना देकर विरोध जताया। संघ के अध्यक्ष आनंद सुरा ने बताया कि प्रमुख दस मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया। विधानसभा कूच से पहले वार्ता का न्योता मिला। मुख्यमंत्री कार्यालय में वार्ता के दौरान अधिकारियों ने जल्द मांग मानने का आश्वासन दिया। इसके बाद धरना हटाया गया। कोषाध्यक्ष तिलक चंद शर्मा का कहना है कि पंद्रह दिन में अगर मांगें नहीं मानी गई तो, सामूहिक कार्य बहिष्कार करेंगे।

राजस्थानी भाषा अकादमी पुरस्कारों के लिए आवेदन 21 फरवरी तक

बीकानेर @ जागरूक जनता। राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी ने विभिन्न पुरस्कारों के लिए 21 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। अकादमी अध्यक्ष शिवराज छंगाणी ने बताया कि सूर्यमल्ल मीसण शिखर पुरस्कार (पद्य), शिवचन्द्र भरतिया गद्य पुरस्कार (निबंध, एकांकी, नाटक, यात्रा संस्मरण, रेखाचित्र आदि), गणेशीलाल व्यास उस्ताद पद्य पुरस्कार, मुरलीधर व्यास राजस्थानी कथा साहित्य पुरस्कार (कहानी, उपन्यास), रावत सारस्वत साहित्यिक पत्रकारिता पुरस्कार, प्रेमजी प्रेम राजस्थानी युवा लेखन पुरस्कार, राजस्थानी महिला लेखन पुरस्कार, बावजी चतुरसिंह अनुवाद पुरस्कार, सांवर दईया पैली पोथी पुरस्कार व जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य पुरस्कार के साथ भत्तमाल जोशी महाविद्यालय पुरस्कार एवं मनुज देपावत विद्यालय स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन मांगे हैं। इसी तरह पांडुलिपि प्रकाशन सहयोग योजना, लेखकों के निजी व्यय से प्रकाशित पुस्तकों (गत तीन वर्ष) को आर्थिक सहयोग तथा राजस्थानी पत्र-पत्रिकाओं को सहयोग देने के लिए भी आवेदन मांगे हैं।

16वां दीक्षांत समारोह 10 को

जयपुर @ जागरूक जनता। एलएनएम सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एलएनएमआईआईटी) में 10 फरवरी को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा। जयपुर संस्थान के निदेशक प्रो. राहुल बनर्जी ने बताया कि समारोह में 475 छात्रों को बीटैक, एक छात्र को एमटैक, 11 छात्रों को एमएससी और एक छात्र को पीएचडी की डिग्री दी जाएगी। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. गोविन्दन रंगराजन शामिल होंगे। संस्थान से अब तक 3501 छात्र बीटैक कर चुके हैं और 173 छात्रों को मास्टर डिग्री से सम्मानित किया गया है। साथ ही 24 छात्रों को पीएचडी डिग्री दी गई है।

'पाठशाला' एक पहल शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। शांति देवी फाउंडेशन एनजीओ की टीम द्वारा दो महीने पहले शहर के फुटपाथ पर रहने वाले लोगों के बच्चों को शिक्षा देने के लिए 'पाठशाला' एक पहल, उज्जवल भविष्य की ओर" मुहिम की शुरुआत की गई की थी, जिसमे अब एक नया कदम ओर बढ़ गया है गया है ..जिसके तहत पाठशाला नं -2 की शुरुआत किया गयी है जो की त्रिमूर्ति सर्कल जयपुर पर किया जा रहा है। फाउंडेशन के संस्थापक श्रवण शर्मा ने बताया कि सड़क किनारे रहने वाले लोगों के बच्चे जिन्होंने कभी स्कूल नहीं देखा और पढ़ना लिखना जिनका सपना ही रह जाता है, ऐसे बच्चों के लिए यह मुहिम की शुरुआत की गई है। धीरे-धीरे इस मुहिम को पूरे शहर में फेला कर हम ऐसे बच्चों को शिक्षा से जोड़ना चाहते हैं । इस मोके पर फाउंडेशन के संकल्प फैड्रिक, दिनेश सोनी और रितेश सोनी अन्य सदस्य मौजूद रहे।

हेल्थ मिनिस्टर बोले- सरकार अलग से फंड देगी, राइट टू हेल्थ बिल में जुड़ेगा

प्राइवेट अस्पतालों में इमरजेंसी का खर्च सरकार उठाएगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में अब प्राइवेट हॉस्पिटल की इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। सरकार इसके लिए अलग से फंड बनाने पर विचार कर रही है। राइट टू हेल्थ बिल पर डॉक्टर्स और प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों के विरोध को देखते हुए सरकार ने इमरजेंसी इलाज के लिए अलग से फंड बनाने का फैसला किया है। हेल्थ मिनिस्टर परसादी लाल मीणा ने कहा- राइट टू हेल्थ बिल के जिस प्रावधान को लेकर डॉक्टर और प्राइवेट हॉस्पिटल संचालक विरोध कर रहे हैं। उसका भी समाधान निकाल दिया है। इमरजेंसी में अगर कोई मरीज आता है तो उसके इलाज का खर्च भी सरकार उठा लेगी। इसके लिए हम अलग से फंड देंगे। दरअसल, राइट टू हेल्थ बिल पर प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों का सबसे बड़ा विरोध इलाज के खर्च को लेकर ही था। हॉस्पिटल संचालकों का कहना है कि इमरजेंसी में आने वाले एक्सीडेंट केस में मरीज का इलाज करने का प्रावधान तो बिल में है, लेकिन इस इलाज पर होने वाले खर्च को कौन उठाएगा। यह तय नहीं है। बिल में ये भी प्रावधान है कि एक्सीडेंट के अलावा इमरजेंसी में कोई अन्य मरीज भी इलाज के लिए अस्पताल में आता है। उसे पैसे के अभाव में डॉक्टर या हॉस्पिटल इलाज देने से मना नहीं कर सकता। रुपए देने का दबाव नहीं डाल सकते। भुगतान नहीं होने की स्थिति में शव नहीं रोक सकते। इसी को लेकर प्राइवेट हॉस्पिटल संचालक विरोध कर रहे थे। उनका कहना है कि राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी प्राइवेट हॉस्पिटल पर डालना चाहती है। 50 फीसदी से ज्यादा मरीज प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के लिए आते हैं।

11 को प्रवर समिति सुनेगी बात

इस बिल का विरोध कर रहे डॉक्टरों के सुझाव को सुनने के लिए विधानसभा की प्रवर समिति 11 फरवरी को एक बैठक करेगी। बैठक में डॉक्टरों के सुझाव सुनने के बाद उन पर कमेटी चर्चा करके उनके सुझावों को बिल में शामिल करने पर विचार करेगी। उसके बाद बिल को पास करने की कार्रवाई की जाएगी। प्रवर समिति इस पर अपनी रिपोर्ट 13 फरवरी को पेश कर सकती है।

कितना फंड, अभी तय नहीं

मंत्री परसादी लाल मीणा ने फंड बनाने का जिक्र किया, लेकिन उस फंड में कितना पैसा होगा, इसका अभी कोई जिक्र नहीं किया है। संभावना है कि बजट सत्र में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस पर बजट की अलग से घोषणा कर सकते हैं।

पिछले साल विस सत्र में लाया गया था बिल

सरकार ने ये बिल सितम्बर में विधानसभा सत्र के दौरान सदन में रखा गया था, लेकिन डॉक्टर्स और विपक्ष के विरोध को देखते हुए इसे विधानसभा की प्रवर समिति को सौंप दिया था। लंबे समय तक विधानसभा की प्रवर समिति का गठन नहीं हुआ था। अब हाल ही में प्रवर समिति बनने के बाद अब इस बिल विचार-विमर्श शुरू हो गया है।

स्टेट हेल्थ अथॉरिटी बनेगी

राजस्थान में स्टेट हेल्थ अथॉरिटी बनेगी। जिसमें जॉइंट सक्रेटरी या उससे ऊपर रैंक का आईएएस अधिकारी अध्यक्ष होगा। हेल्थ डायरेक्टर मेंबर सेक्रेटरी होंगे। जबकि मेडिकल एजुकेशन कमिश्नर, राजस्थान स्टेट हेल्थ इंश्योरेंस एजेंसी के जॉइंट सीईओ, आयुर्वेद डायरेक्टर, होम्योपैथी डायरेक्टर, यूनानी डायरेक्टर पदेन सदस्य होंगे। सरकार की ओर से नॉमिनेटेड दो लोग जिन्हें पब्लिक हेल्थ और हॉस्पिटल मैनेजमेंट की नॉलेज हो, वह मेंबर होंगे। पदेन सदस्य के अलावा सभी मेंबर्स की नियुक्ति 3 साल के लिए होगी। 6 महीने में कम से कम एक बार हेल्थ अथॉरिटी की बैठक होगी। साल में 2 बार बैठक करनी होगी।

हर जिले में होगी डिस्ट्रिक्ट हेल्थ अथॉरिटी

सभी जिलों में डिस्ट्रिक्ट हेल्थ अथॉरिटी भी बनाई जाएगी। स्टेट हेल्थ अथॉरिटी बनने की तारीख से 1 महीने के अंदर डिस्ट्रिक्ट हेल्थ अथॉरिटी की ऑटोनॉमस बॉडी बनाई जाएगी। इसमें जिला कलेक्टर पदेन अध्यक्ष होगा। जिला परिषद सीईओ पदेन सह अध्यक्ष होगा। डिप्टी सीएमएचओ पदेन सदस्य, जिला आयुर्वेद अधिकारी और पीएचईडी के एसई पदेन सदस्य होंगे। राज्य सरकार करी ओर से नॉमिनेटेड दो मेंबर सदस्य होंगे। जिला परिषद का प्रमुख इसका सदस्य होगा। साथ ही पंचायत समितियों के 3 प्रधान सदस्य होंगे। पदेन मेंबर्स के अलावा सभी सदस्यों की नियुक्ति 3 महीने के लिए होगी।

आवासन आयुक्त ने ली अहम बैठक, जल्द लॉंच होंगी योजनाएं

प्रदेश भर में बनेंगे 4300 से ज्यादा फ्लैट और स्वतंत्र आवास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आवासन मंडल द्वारा बने फ्लैट, विला और अन्य संपत्ति खरीदने का इंतजार कर रहे लोगों के लिए सुखद खबर है कि मंडल द्वारा प्रदेश भर में 4300 से ज्यादा बहुमंजिला फ्लैट्स और स्वतंत्र आवासों के लिए नई योजनाएं लाई जा रही हैं। जल्द ही स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल योजनाओं को लॉन्च करेंगे। मंडल मुख्यालय आवास भवन के बोर्ड रूम में आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक में प्रदेश के शहरों में पुरानी योजनाओं में बचे आवासीय भवनों व नई योजनाओं के रेरा में पंजीकरण, योजनाओं की लागत और उपभोक्ताओं के लिए तय दर तथा लॉन्चिंग से जुड़ी सम्पूर्ण प्रगति की समीक्षा की गई।

आयुक्त अरोड़ा ने बताया कि जयपुर के प्रताप नगर सेक्टर 22-23 और 26 में कुल 1332, चूरु में 10, किशनगढ़ के खोड़ा में 57, धौलपुर में 45, बूंदी के लाखेरी में 317, टोंक के निवाई में 77, जोधपुर के बड़ली में 1090, चौपासनी में 72, हनुमानगढ़ में 504, आबूरोड में 189, भिंडर में 22, सलूंबर में 16, भीलवाड़ा के पटेल नगर 38, शाहपुरा में 46, चित्तौड़गढ़ के निंबाहेडा में 71, बड़ी सादड़ी में 74, बांसवाड़ा परतापुर में 80, दुर्गापुर में 63 और उदयपुर के हिरण मगरी में 24 एचआईजी, एमआईजी, एलआईजी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवासों के लिए योजना लॉन्च की जाएगी। आयुक्त ने बताया कि नई लॉन्चिंग के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है कुछ शेष बचे कामों के साथ जल्द ही आवासीय योजनाएं लांच कर दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि मंडल द्वारा अब तक कुल 78 योजनाओं को रेरा में पंजीकृत कर दिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को आगामी 24 फरवरी तक 100 योजनाओं को पंजीकृत करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि रेरा में 100 का आंकड़ा छूते ही मंडल देशभर में सर्वाधिक रेरा पंजीकृत संस्था बन जाएगी। बैठक में मुख्य अभियंता प्रथम केसी मीणा, मुख्य अभियंता द्वितीय जीएस बाघेला, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, मुख्य संपदा अधिकारी प्रीति पंवार, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर सहित अन्य अधिकारी व संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्लेसमेंट ड्राइव 'शक्ति' का आरम्भ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर । विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में 5 दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव वीक 'शक्ति' की शुरूआत की गई। जिसमें नर्सिंग, लॉ, पत्रकारिता, फैशन, सांइस, आईटी और एजुकेशन विभाग से जुड़े छात्राओं को इर्टनशिप और जॉब के लिए प्लेसमेंट का अवसर दिया जाएगा। सोमवार को नर्सिंग विभाग के छात्राओं को नारायणा, फोर्टिस जैसे हॉस्पिटल में सभी प्रतिभागियों का प्लेसमेंट दिया हुआ। इसके साथ ही सीए प्रशांत अग्रवाल, कमर्शियल आर्टीब्यूशन, एडवोकेट दिलीप शर्मा, मूतूट फाइनेंस बैंक, डाट स्कायर, अलीबाबा डॉट कॉम, बर्गर फार्म, फ्रू बॉन, आईडीएफसी बैंक जैसी कंपनी प्लेसमेंट के लिए इंटरव्यू लेगी। कॉलेज निदेशक डॉ संजय बियानी ने कहा कि महिला समाज का अहम और एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और वीमन इम्पावरमेंट तब होती है जब वह आत्मनिर्भर बनती है। महिला सशक्त तब होती है जब वह आत्मनिर्भर बनती है। प्लेसमेंट ड्राइव बियानी ग्रुप ऑफ़ कॉलेज के द्वारा चलाया जा रहा एक अति महत्वाकांक्षी प्रयास है जिसके माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके। वहीं प्लेसमेंट हैड स्मृति तिवारी ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव के द्वारा छात्राओं को एम्प्लोएबल बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस का संगठन लगभग तैयार

राजस्थान के 60 AICC सदस्यों की लिस्ट जल्द

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और प्रदेश कांग्रेस का संगठन का खाका लगभग तैयार हो चुका है। करीब एक दर्जन जिला अध्यक्ष ओर तकरीबन पांच दर्जन एआईसीसी प्रतिनिधियों की नियुक्ति जल्द होने वाली हैं। इससे पहले तकरीबन 80 फीसदी ब्लॉक अध्यक्षो की नियुक्त हो गई है।

दो साल से भंग कांग्रेस जिलाध्यक्षों में से पहले एक दर्जन से कुछ ज्यादा जिलों मे नियुक्ति की जाएगी। इसके बाद कांग्रेस में प्रदेश से तकरीबन पांच दर्जन एआईसीसी प्रतिनिधियों के नाम का एलान कर दिया जाएगा। इसकी कवायद अंतिम चरण में हैं। राजस्थान से करीब 60 एआईसीसी प्रतिनिधियों की सूची जारी की जाएगी। कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण के यहां देश के करीब 29 राज्यों से एआईसीसी प्रतिनिधि के नामों की सूची प्राप्त हो गई हैं और राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना सहित आधा दर्जन प्रदेशों से अभी भी आना बाकी है।

कांग्रेस का राष्ट्रीय महाअधिवेशन 24 से 26 फरवरी तक रायपुर में होगा। इससे पहले सभी राज्यों से एआईसीसी प्रतिनिधियों की नियुक्ति होना आवश्यक है। इसके मद्देनजर हाईकमान ने एआईसीसी प्रतिनिधियों के बकाया नामों वाले राज्यों को 15 फरवरी से पहले नामों की सूची कांग्रेस प्राधिकरण, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री को भेज देने के निर्देश दिए हैं।

SMS में रोबोट करेगा कैंसर जैसी बीमारियों का फ्री इलाज

25-25 करोड़ की दो मशीनें खरीदीं, हाथ से होने वाली सर्जरी से तेज रिकवरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल एसएमएस (सवाई मानसिंह हॉस्पिटल) अब हाईटेक होने जा रहा है। यहां रोबोट के जरिए सर्जरी की शुरुआत होगी। इससे कैंसर और हर्निया की सर्जरी भी चिरंजीवी योजना के तहत फ्री में की जा सकेगी। इसके लिए 25-25 करोड़ रुपए की दो रोबोट मशीनें अगले एक-दो सप्ताह में आ जाएंगी। राजस्थान में सरकारी अस्पताल में ऐसी सुविधा पहली बार मिलने जा रही है। दोनों मशीनें एसएमएस हॉस्पिटल के यूरोलॉजी और जनरल सर्जरी विभाग में रहेंगी। वहीं, इस मशीन को खरीदने पर सवाल भी उठने लगे हैं। आरोप लगे हैं कि जिस टेंडर प्रक्रिया के जरिए ये मशीनें खरीदी गईं। उसमें शर्तें ही ऐसी रखी गईं, जिसे एक ही कंपनी पूरी कर रही थी। राजस्थान में अभी रोबोटिक सर्जरी कुछ चुनिंदा प्राइवेट हॉस्पिटल में होती है। इसके अलावा दिल्ली, गुड़गांव, मुंबई सहित कई दूसरे शहरों में भी रोबोट से सर्जरी होती है। रोबोटिक सर्जरी अधिकांश तौर पर छोटे ऑपरेशन के लिए उपयोग की जा रही है। ये कैंसर, यूरोलॉजिकल-प्रोस्टेट और जनरल सर्जरी के लिए बेहतर तरीका माना जा रहा है।

मरीज को दर्द कम और खून भी ज्यादा नहीं बहता

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में जनरल सर्जरी के प्रोफेसर डॉ. जीवन कांकरिया ने बताया- रोबोटिक सर्जरी डे-केयर सर्जरी के लिए सबसे अच्छी तकनीक है। इस मशीन के जरिए मरीज के शरीर में बहुत ही छोटे-छोटे छेद करके बड़ी से बड़ी सर्जरी कर दी जाती है। इससे मरीज को दर्द कम होता है। ब्लड भी कम बहता है। इसके साथ ही वह सामान्य हाथ या दूरबीन से की जाने वाली सर्जरी की तुलना में जल्दी रिकवर होता है।

एक महीने आ जाएगी मशीन, तीन सप्ताह चलेगी ट्रेनिंग

जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने बताया- अगले एक सप्ताह के अंदर मशीन के जयपुर में आने की उम्मीद है। उसके बाद उसे इंस्टॉल करने में करीब एक सप्ताह का समय लगेगा। इसके बाद डॉक्टरों को सिमुलेटर पर इस मशीन से सर्जरी करने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस ट्रेनिंग में करीब 3 सप्ताह का समय लग सकता है।

अप्रैल से मरीजों की सर्जरी शुरू होने की संभावना

डॉ. बगरहट्टा ने बताया- मशीन इंस्टॉल करने और डॉक्टरों की ट्रेनिंग देने के बाद डॉक्टरों को प्रैक्टिकल के लिए देश के दूसरे राज्यों के हॉस्पिटल में भेजा जा सकता है। उन्हें वहां मशीन कैसे ऑपरेट होती हैं। उसका लाइव सेशन देखने को मिलेगा। सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद हम उम्मीद करते हैं कि अप्रैल के मिड से मरीजों की रोबोटिक सर्जरी का काम शुरू हो जाएगा। डॉ. बगरहट्टा ने बताया- वर्तमान में जो लेपोस्क्रेपी सर्जरी की रेट्स चिरंजीवी योजना के तहत हैं। वही रेट्स हम रोबोटिक सर्जरी के लिए रखेंगे। इसके जरिए बीमारियों को चिरंजीवी में फ्री इलाज मिल सके।

कैंसर ट्यूमर, कोलोरेक्टल बेरिएट्रिक समेत कई सर्जरी में होगी उपयोगी

डॉ. जीवन कांकरिया ने बताया कि कैंसर ट्यूमर, कोलोरेक्टल सर्जरी, बेरिएट्रिक सर्जरी, हर्निया, एक्लेजिया कार्डिया समेत अन्य सर्जरी में इसका उपयोग अच्छा होगा। ये सर्जरी रोबोटिक सर्जरी आने के बाद काफी आसान हो जाएगी। इन सर्जरी को न केवल आसानी से बल्कि कम समय में भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अगर डॉक्टर इस सर्जरी को करने में एक्सपर्ट हो जाते हैं तो इसके रिजल्ट लेपोस्क्रेपी सर्जरी और सामान्य हाथ से की जाने वाली सर्जरी से भी ज्यादा अच्छे होते हैं।

मशीन के रखरखाव के लिए क्या-क्या जरूरी

इस मशीन को सामान्य ऑपरेशन थिएटर में रखा जाएगा। इसे धूल मिट्टी से बचाया जाएगा। इसको इंस्टॉल करने के बाद 2 साल तक का रखरखाव कंपनी करेगी। 2 साल बाद एसएमएस मेडिकल कॉलेज हर साल मशीन के रखरखाव और उसके इक्यूपमेंट के लिए कंपनी को 1.78 करोड़ रुपए देगा। जो अगले कुछ सालों में बढ़कर 2.25 करोड़ रुपए तक देने होंगे।

सम्पादकीय

जेल नहीं, बेल पर जोर

जमानत के बाद रिहाई में होने वाली देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो गाइडलाइंस जारी की है, उसकी बड़ी शिद्दत से जरूरत महसूस की जा रही थी। न्याय प्रशासन और जेल प्रशासन अपनी पुरानी रीतियों से इस कदर बंधा चल रहा था कि आज की उन्नत तकनीक के युग में उसकी कई बातें हास्यास्पद लगती थीं। उदाहरण के लिए अदालत से जमानत का आदेश हो जाने के बाद भी बहुतों की रिहाई सिर्फ इसलिए टल जाती थी क्योंकि तय समय तक उस आदेश की कॉपी जेल प्रशासन को नहीं मिलती थी। इस तरह के नियमों और तय प्रक्रियाओं का कैसा असर विक्टिम को झेलना पड़ता है इसका एक ज्वलंत उदाहरण पत्रकार सिद्दीक कप्पन के बहुचर्चित मामले में देखने को मिला है। कप्पन पर आरोप चाहे जो भी हों, यह तथ्य तो अपनी जगह है ही कि उन्हें यूएपीए मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर में और पीएमएलए केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिसंबर में जमानत दे दी थी। बावजूद इसके, इन्हीं प्रक्रियागत कारणों से उनकी रिहाई टलती रही। आखिरकार इस सप्ताह गुरुवार को वह जेल से बाहर आए।

ताजा गाइडलाइंस में सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही आदेश दिया है कि जमानत आदेश होते ही उसकी सॉफ्ट कॉपी जेल प्रशासन को ईमेल से भेज दी जाए ताकि उसके पहुंचने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। इस गाइडलाइन के तमाम प्रावधान हाल के वर्षों में कई अलग-अलग मामलों में दिखे जुडिशरी के इस रुख के अनुरूप हैं कि बेल नियम होना चाहिए और जेल अपवाद। यह अलग बात है कि जुडिशरी के इस रुख पर व्यवहार में अमल कम ही हो पाता है। यही वजह है कि जेल में बहुत से आरोपी पांच-पांच और दस-दस साल से बगैर जमानत के पड़े हुए हैं। ध्यान रहे, देश भर में जेलों में बंद लोगों में 80 फीसदी विचाराधीन कैदी हैं यानी वे लोग जो अभी दोषी साबित नहीं हुए हैं, जिनके मामले अदालत में चल ही रहे हैं। और, अगर अदालतों में अपराध साबित होने की बात करें तो यूएपीए और पीएमएलए जैसे सख्त कानून तो छोड़िए आईपीसी के मामलों में भी इनका प्रतिशत बहुत कम है। हत्या के महज 42.4 फीसदी मामले अदालत में साबित होते हैं, रेप के 28.6 फीसदी और दंगों के मात्र 21.9 फीसदी। यह बात भी विभिन्न अध्ययनों से सामने आती रही है कि जेलों में बंद लोगों का बड़ा हिस्सा ऐसा होता है जो ढंग का वकील रखने या अपने हक की लड़ाई लड़ने में समर्थ नहीं होता। जाहिर है, ऐसे तमाम लोगों के लिए न्यायपालिका ही उम्मीद बन सकती है बशर्ते वह इस सिद्धांत पर सख्ती से अमल करे कि आरोप साबित होने से पहले हर कोई बेकसूर है।

ज्यादातर महिलावादी संगठन और नारी स्वतंत्रता समर्थक सगठन आधुनिक युग में महिलाओं के बढ़ते अशक्तिकरण पर, उसके दैहिक सौन्दर्य के बाजारवादी एवं धनाढ्य वर्गीय इस्तेमाल पर और इसे बढ़ावा देने वाली बाजारवादी उपभोक्तावादी संस्कृति पर एकदम नही बोलते।

महिला सशक्तिकरण के नाम पर बाजारीकरण

क्षमा शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

पिता, पति , पुत्र की पहचान से जोड़कर देखी जाने वाली नारी समुदाय को अपने पैरो पर अपनी पहचान के साथ खड़ा होने का गौरव प्रदान किया है। नारी को सशक्त बनाने का काम किया है। लेकिन इसी के साथ आधुनिक युग के बाजारवाद ने उसके अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के धनाढ्य मालिको संचालको ने नारी के जननी होने की युगों पुरानी गरिमा को गिराने और कलंकित करने का भी काम किया है।

पिछले 15-20 सालो से महिला सशक्तिकरण एक बहुचर्चित मुद्दा बना हुआ है। महिलाओं में सुन्दर दीखने-दीखाने का चलन बढ़ता चला जा रहा है। इन सालो में शहरों से लेकर कस्बो तक में व्यूटी पार्लर के बढ़ते सेंटर के साथ नये- नये किस्म के और हर रंग रोगन वाले प्रसाधन के मालो सामानों का बढ़ता बिक्री बाजार सुन्दर दिखने दिखाने के इसी चलन को परीलक्षित करता है। लेखिका का कहना है कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर औरतो को सुन्दर दिखने और बालीवुड को आदर्श बनाये जाने के कारण भी इन दिनों तमाम उम्र दराज महिलाए भी अपने हाथो, चेहरे और गर्दन की झुरिया मिटवा रही है। औरतो की यह छवि बनाई गयी है कि अगर वे सुन्दर नही है तो किसी काम की नही है। उनका जीवन व्यर्थ है। खुबसूरत दिखने की चाहत कोई बुरी बात नही है, लेकिन सब कुछ भूलकर सिर्फ खुबसूरत दिखने की बात ही अब प्रमुख हो गयी है। महिलाओं को सौन्दर्य के इन उल जुलूल मानको को चुनौती देनी चाहिए थी, मगर ऐसा होते हुए कही दीखता नही। दीखता तो वह है, जिसे स्त्रीवादी नारों में लपेटकर बेचा जाता है और मुनाफ़ा कमाया जा रहा है।

औरतो का असली सशक्तिकरण उसकी बुद्धि और कौशल से ही हो सकती है, लेकिन जब तक लडकियों को यह सिखाया जाता रहेगा कि तुम्हारे जीवन का मूलमंत्र सुन्दर दिखना भर है, तब तक महिलाओं के सशक्तिकरण की राह आसान होने वाली नही है। लेखिका ने महिलाओं, लडकियों में सुन्दर दिखाने की बढती प्रवृति को अपने लेख में कई ढंग से उठाया है और उस पर सही व सटीक टिपण्णी तथा आलोचना भी किया है। पर उन्होंने इस प्रवृति व चलन के कारणों व कारको पर लेख में कोई चर्चा नही किया है। फिर उन्होंने इस अंध सौन्दर्यबोध एवं प्रचलन को रोकने के किसी कारगर तरीके को भी नही सुझाया- या बताया है। हाँ यह बात जरुर कही है कि औरत का असली सशक्तिकरण उनके बुद्धिकौशल से ही हो सकता है, न की सौन्दर्य के प्रतिमानों पर खरा उतर कर। लेखिका की इस बात में बुद्धि और कौशल के साथ श्रम को भी अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिए। सही बात तो यह है कि पुरुषो व महिलाओं के श्रम ने ही उन्हें और पूरे समाज को सशक्त बनाने का काम किया है। उनके

श्रमबल ने ही परिवार और समाज को बुद्धि एवं कौशल के क्षेत्र में भी सशक्त बनाया है। इसके बावजूद श्रम, बुद्धि एवं कौशल को खासकर श्रम व श्रमिक वर्ग की महिला एवं पुरुष को महत्व नही दिया जाता। अधिकाधिक पैसा पाने, कमाने वाली को कही ज्यादा महत्व मिलता है, जबकि अधिकाधिक श्रम से घर परिवार व समाज को खड़ा करने महिलाओं व पुरुषो को आमतौर पर कोई महत्व नही मिल पाता। वास्तविकता है कि आधुनिक युग में धन- सम्पत्ति, पैसे-पूंजी के साथ उनके द्वारा बढावा दिए जाने वाले मुद्दों-मसलो को ही प्रमुखता मिलती रही है। पैसे, पूंजी तथा उत्पादन बाजार के धनाढ्य मालिको द्वारा नारी सुन्दरता के विज्ञापन प्रदर्शन को बाजार व प्रचार का प्रमुख मामला बना दिया गया है। इसी के फलस्वरूप नारी की दैहिक सुन्दरता और उसके प्रतिमान लडकियों, महिलाओं के आदर्श बनते जा रहे है।

मध्ययुग में सामन्ती मालिको ने नारी और उसकी दैहिक सुन्दरता को अपने भोग-विलास के रूप में अपनाने का काम किया था। उनके चारणों ने वैसे ही वर्णन लेखन को प्रमुखता से अपनाया था। हालाकि उसका असर जनसाधारण पर बहुत कम पडा। लेकिन आधुनिक उद्योग व्यापार के धनाढ्य मालिको ने नारी सुन्दरता को अपने मालो- सामानों के प्रचार विज्ञापन का प्रमुख हथकंडा बना लिया है। उन्होंने पुरुष समाज में नारी की दैहिक सुन्दरता के प्रति बैठे सदियों पुरानी भावनाओं, प्रवृत्तियों का इस्तेमाल अपने मालो- सामानों के विज्ञापनों एवं प्रचारों को बढाने में कर लिया है। बढ़ते माल उत्पादन तथा उसके बिक्री बाजार के साथ नारी सुन्दरता के इस इस्तेमाल का, उसके अधिकाधिक प्रदर्शन का चलन भी बढ़ता जा रहा है। नारी सौन्दर्यबोध के लिए प्रतिमानों के, उन्हें बढाने वाले प्रतिष्ठानों तथा प्रसाधन के ससाधनो की बाढ़ आती गयी है। इसी के साथ नए धंधे के रूप में उच्चस्तरीय फैशनबाजी माडलबाजी को लगातार बढ़ाया जाता रहा है। अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर ब्यूटी क्वीन चुने जाने की चलन सालो साल बढ़ता रहा है। विकसित साम्राज्यी देशो में यह चलन काफी पहले से शुरू हो गया था। इस देश में भी इसका चलन 1980- 85 के बाद जोर पकड़ता गया है। जैसे-जैसे देश -विदेश की धनाढ्य कम्पनियों को अधिकाधिक छूटे व अधिकार देने के साथ उनके मालिकाने के उत्पादन व बाजार को बढ़ावा दिया जाता रहा है, वैसे-वैसे उन मालो-सामानों के विज्ञापन प्रचार में नारी की दैहिक सुन्दरता का प्रचार बढ़ता रहा है। अर्द्धनग्न रूप में नारी सुन्दरता का प्रचार बढ़ता रहा है। पुरुषो की तुलना में नारियो को माडलों, फिल्मो सीरियलों से लेकर अब आम समाज में कम से कम वस्त्रो के साथ पेश किया जाता है। उपर से नीचे तक फ़ैल रहे या कहिये फैलाए जाते रहे नारी देह की बहुप्रचारित सुन्दरता का इस्तेमाल अब लडकियों, लडको की युवा पीढ़ी को फँसाये रखने के लिए तथा उन्हें जीवन की तथा समाज की गंम्भीर समस्याओं से विरत करने के लिए भी किया जा रहा है। नारी सुन्दरता के साथ यौन सम्बन्धो का खुले रूप में बढाये जाते रहे प्रोनोग्राफी आदि के बढ़ते प्रचारों के जरिये खासकर अल्पव्यस्क एवं युवा वर्ग के लोगो में "सेक्स का नशा "बढ़ाया जा रहा है। शराबखोरी एवं ड्रग्स एडिक्शन की तरह इसे एक नशे की तरह आम समाज में उतारा गया है। यह महिला उत्पीडन एवं बलात्कार को बढाने का एक अहम् कारण बनता जा रहा है। इस बात में कोई संदेह नही है कि आधुनिक बाजारवादी जनतांत्रिक युग ने घर परिवार के दायरे में सीमित नारियो को उससे बाहर निकलने का अवसर प्रदान किया है। आधुनिक उत्पादन बाजार, यातायात, संचार, शिक्षा, ज्ञान शासन प्रशासन के क्षेत्रो में तथा अन्य प्रतिष्ठानों कामो, पेशो में भी लडकियों महिलाओं को भागीदारियो करने का अवसर प्रदान किया है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

ओपिनियन

खाद्य प्रणाली विकसित करने में सक्षम डेयरी उद्योग

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की हालिया रिपोर्ट में कहा गया कि भारत उन देशों में शामिल है, जो छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों की क्षमता को बढ़ाकर अपनी खाद्य प्रणाली विकसित करने में सक्षम है। भारत में छोटे किसानों और डेयरी उद्यमों के दशकों के कार्यक्रम ने डेयरी को सबसे बड़ी कृषि वस्तु में बदलने में मदद की है, जो 2019 में ग्रामीण आय का लगभग एक तिहाई और कुल कैलोरी सेवन का 10 प्रतिशत है। यह बदलाव ग्रामीण स्तर की सहकारी समितियों, विस्तार सेवाओं और क्रेडिट के गठन का समर्थन करने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ। समय के साथ यह एक ऐसे घरेलू उद्योग की खेती करने के लिए विकसित हुआ, जिसमें किसान संबंधी सोर्सिंग मॉडल के साथ कई सफल तकनीक और एकीकृत उद्यम शामिल हैं।

डेयरी भारत में एकमात्र सबसे बड़ा कृषि उद्यम है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 5 प्रतिशत है और पोषण का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक है और इसके 70 प्रतिशत दूध का उत्पादन इसके 8 करोड़ छोटे किसानों द्वारा किया जाता है, जिनके पास 10 से कम पशु हैं। वहीं देश में शहरीकरण के चलते शहर के निवासी डेयरी पर अधिक खर्च कर रहे हैं और अधिक प्रसंस्कृत डेयरी उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं, जो अधिक मुनाफे वाले हैं। 2002 से 2021 के बीच क्षेत्र का मूल्यवर्धन दोगुना हो गया, 2020 में यह लगभग 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर दर्ज किया गया। असल में भारत गांवों में बसता है। हमारी 72 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या ग्रामीण है तथा 60 प्रतिशत लोग कृषि व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। करीब सात से आठ करोड़ कृषक परिवार में प्रत्येक दो ग्रामीण घरों में से एक डेयरी उद्योग से जुड़े हैं। देश में 70 प्रतिशत दूध की आपूर्ति छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों से होती है। भारत में कृषि भूमि की अपेक्षा गायों का ज्यादा समानता पूर्वक वितरण है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में डेयरी उद्योग की प्रमुख भूमिका है। भारत विश्व में सबसे कम खर्च पर यानी 26 सेंट प्रति लीटर की दर से दूध का उत्पादन करता है (अमेरिका में 63 सेंट और जापान में 2.8)। मिनरल वाटर उद्योग की तरह दुग्ध प्रोसेसिंग उद्योग में भी बहुत तेजी से विकास होने की संभावनाएं हैं।

एक अनुमान के अनुसार, अगले 10 वर्षों में भारत तिगुनी वृद्धि के साथ विश्व में दुग्ध उत्पादों को तैयार करने वाला अग्रणी देश बन जाएगा। दुनिया में डेयरी क्षेत्र में विकास दर 2 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह दर 6 प्रतिशत है। आने वाले समय में भारत में इस क्षेत्र में विकास दर और बढ़ेगी। यही कारण है कि इस समय भारत दुनिया में दुग्ध उत्पादन में नंबर एक पर है। भारत में हर साल करीब 21 करोड़ टन दूध का उत्पादन होता है। दुनिया में दूध की उपलब्धता जहां प्रति व्यक्ति 310 ग्राम प्रतिदिन है, उसकी तुलना में भारत में यह 427 ग्राम प्रतिदिन है। बीते तीन दशकों में विश्व दुग्ध उत्पादन में करीब 59 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो 1988 में 530 मिलियन टन से बढ़कर साल 2018 तक 843 मिलियन टन हो गया। इसमें भारत का योगदान सबसे अधिक रहा है। भारत 22 प्रतिशत वैश्विक उत्पादन के साथ दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना।

साल 2014 के बाद से देशभर में दुग्ध उत्पादन में अत्यधिक तेजी आई है। दरअसल केंद्र सरकार देश में दुग्ध उत्पादन को लेकर कई योजनाएं व कार्यक्रम लेकर आई है, जिससे किसानों और गौपालकों को काफी लाभ मिला है। पिछले साल नोएडा में आयोजित वर्ल्ड डेयरी समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि देश में दूध का उत्पादन 2014 के 14.6 करोड़ टन से बढ़कर 21 करोड़ टन हो गया है, जो कि 44 फीसदी की वृद्धि है। मोदी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर 2 प्रतिशत उत्पादन वृद्धि की तुलना में भारत दूध उत्पादन में 6 प्रतिशत की वृद्धि देख रहा है। पिछले 5-6 वर्षों में कृषि और डेयरी क्षेत्र में 1,000 से अधिक स्टार्टअप बनाए गए। भारत डेयरी पशुओं का सबसे बड़ा डेटाबेस बना रहा है और डेयरी क्षेत्र से जुड़े हर पशु को टैग किया जा रहा है। पशु आधार योजना के तहत आधुनिक तकनीक की मदद से पशुओं की बायोमेट्रिक पहचान की जा रही है। भारत में डेयरी सहकारी समितियों का एक विशाल नेटवर्क है और पूरी दुनिया में ऐसा उदाहरण कहीं और नहीं मिल सकता है। ये डेयरी सहकारी समितियां देश के दो लाख से अधिक गांवों के करीब दो करोड़ किसानों से दिन में दो बार दूध एकत्र करती हैं और ग्राहकों तक पहुंचाती हैं। पूरी प्रक्रिया में कोई बिचौलिया नहीं है और ग्राहकों से मिलने वाला 70 फीसदी से ज्यादा पैसा सीधे किसानों की जेब में जाता है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

एक अनोखा उपवास

नविता
इन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

जब 18,000 फीट ऊंचाई और तकरीबन -40 डिग्री तापमान पर 5 दिन का जलवायु अनशन। हम सभी ने बिना अन्न खाए जल पिए व्रत/उपवास किए होंगे या सुने होंगे पर, पर्यावरण के लिए यह अनोखा उपवास करने वाले 56 वर्षीय वैज्ञानिक सोनम वांगचुक है। जिन्होंने लद्दाख और हिमालय में पिघलते हुए ग्लेशियर्स, जलवायु में परिवर्तन और लद्दाख को 6 अनुसूची के तहत संरक्षण की मांग को लेकर किया है। सोनम वांगचुक, क्या आपने सुना है यह नाम?

अच्छा हम सभी सिनेमा की प्रसिद्ध कहानियों से बड़े प्रेरित हो जाते हैं । जो पर्दे पर दिखाए जाने वाले चरित्र होते हैं, उन्हें प्रसिद्धि भी मिली जाती है। क्या आपने 3 ईडियट्स मूवी देखी है ? उसके मुख्य किरदार याने रैंचो को भी भली-भांति पहचानते होंगे , यह फिल्मी दुनिया के रैंचो का असल जीवन में नाम है-सोनम वांगचुक।

बल्कि फिल्मी रैंचो से कई अधिक प्रेरक है इनका जीवन, सोनम वांगचुक लद्दाख के जाने-माने वैज्ञानिक है। जो विकास के नाम पर होने वाले पर्यावरण के विनाश से चिंतित है और इसी विषय में जागरूकता लाने के लिए उन्होंने एक मुहिम शुरू की है, जिसका नाम उन्होंने दिया है "हिमालय बचाओ अपना भविष्य सुरक्षित करो" 5 दिन के उपवास की तैयारी के लिए उन्होंने लद्दाख की सबसे ठंडा खरदुंगला दुर्रे का चुनाव किया ,खुले आकाश के नीचे , बर्फीली चोटियों के बीच में, मां प्रकृति की गोद में रहने की तैयारी उन्होंने सूर्य की सौर ऊर्जा के साथ की, सौर ऊर्जा से पानी गर्म , सौर ऊर्जा का उपयोग करके ऐसा बिस्तर का निर्माण हो जो उन्हें - 40 डिग्री में जीवित और सुरक्षित रख सके की .

परंतु कुछ कारणों से प्रशासन उन्हें खरदुंगला में इस मुहिम को जारी नही रखने दिया और उन्हे अपने

शिक्षण संस्थान के परिसर में ही सुचारु रूप से जारी रखनी पड़ी। आज जहां एलन मस्क जैसे वैज्ञानिक, उद्योगपति हर तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जाल फैलाने में लग रहे हैं।

भारत का यह वैज्ञानिक हिमालय की गोद में बैठ कर सस्टेनेबल एनर्जी पर काम कर रहा है। पिघलते ग्लेशियर और जलवायु के लिए उपवास कर रहा है। ताकी सब का ध्यान इस ओर आकर्षित हो ,इस आने वाले भविष्य के खतरे को पहचान सके और उसको रोकने के लिए अपनी ओर से प्रयास कर सके। माना जाता है इसी तरह ग्लेशियर्स पिघलते रहे, तो भारत के बहुत बड़े हिस्से में जल संकट आना निश्चित है। ग्लेशियर्स के पिघलने का कारण सिर्फ ग्लोबल वार्मिंग ही नहीं परंतु हमारा प्रकृति के प्रति लापरवाह व्यवहार भी है। यह चिंता आज की नहीं अपितु कल की है । हमारे पूर्वज हमारे लिए जमीन-जायदाद, संस्कार के साथ शुद्ध हवा, पानी, पोषण आहार भी छोड़ कर गए हैं.

मगर हम सब सोशल मीडिया पर तस्वीरों और मिली-जुली संस्कृति के अलावा शुद्ध जलवायु का इंतजाम भी नहीं करके जा पाएंगे अपनी भावी पीढ़ी के लिए । यदि अभी हमने इस विषय में कुछ नहीं किया तो आने वाली पीढ़ी को इंटरनेट तो फ्री मिल जाएगा मगर जीने के लिए आवश्यक वायु जल के लिए उन्हें भारी कीमत चुकानी होगी। सोचे विचार करे हर पेड़, हर नदी, हर बर्फीली चोटी हमारी धरोहर है, इन्हे सुरक्षित रखना संरक्षित करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

संसार में संन्यासी बन सकते हैं

प्रेमदत्त शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

बौद्ध धर्म में कहा गया है- संसार दुखमय है, जहां देखो, दुख ही दुख है और जीवन दुखों से भरा पड़ा है। यहां जो भी कुछ उपलब्ध है, वह आज नहीं तो कल दुख के रूप में प्रकट हो ही जाएगा। इस दुख का कारण जगत के प्रति व्यक्ति की तृष्णा है। यदि व्यक्ति चाहे तो इस दुख का निवारण कर सकता है। दुख को दूर करने के लिए मध्यम मार्ग के उपाय हैं। संसार के पदार्थों की तरफ अनासक्ति ही दुख से छुटकारा दिला सकती है। संसार के प्रति तृष्णा को जब तक त्याग नहीं दिया जाता, तब तक दुख जीवन का हिस्सा बना रहता है। इसलिए बौद्ध धर्म में संन्यास की परंपरा में सब कुछ छोड़कर ध्यान को प्राप्त होना बताया है।

जिन कारणों से दुख उत्पन्न होता है, उन कारणों को यदि नहीं छोड़ा तो जीवन भर दुख हमारे साथ परछाई की तरह खड़ा ही रहेगा। ऐसा भी होता है कि साधना में दुख केंद्र बन जाता है और दुख से ही ऊपर उठने के उपाय करते-करते व्यक्ति अपने जीवन को दुखों से भर लेता है, और धन, परिवार, पद, कीर्ति, प्रतिष्ठा जो भी पास है उसमें दुख ढूंढना आरंभ कर देता है। जबकि त्यागना आसक्ति को था और त्याग वस्तुओं का कर देता है। यूं तो संसार दुख रूप है, यह बात गीता और योगसूत्रों में भी कही गई है, लेकिन दुख वहां केंद्र रूप में नहीं है। वेदांत में अपने आत्मभाव में आना मुख्य है और बौद्ध में दुख से निवृत्ति मुख्य है। इसलिए वेदांत आत्मा के इर्द-गिर्द व्यक्ति की चेतना को स्थिर करने की साधना है और बौद्ध धर्म दुख से छुटकारा पाने की साधना है। सनातन धर्म में धन, पद, परिवार आदि सब छोड़ने के बाद ही संन्यास प्राप्त होता है ऐसा जरूरी नहीं, बल्कि कर्मों के फलों का संन्यास करने वाला संन्यासी कहलाता है। फिर जो प्रारब्ध से हमारे पास है, उसको स्थूल रूप से नहीं त्यागा जाता, बल्कि हमारे और वाह्य विषय के बीच का संबंध टूट जाता है। इस अनासक्त भाव को संन्यास कहते हैं। संन्यास केवल जंगल जाकर, कपड़े बदल लेना नहीं है। बल्कि मन में जो संशय हैं, यह उनका नाश करना है। बौद्ध धर्म में संन्यास सब छोड़ कर ही लिया जाता है, लेकिन सनातन धर्म में सब रहते हुए आप संन्यासी की तरह जीवन जी सकते हैं। अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए आप अध्यात्म पथ पर आगे बढ़ सकते हैं, जैसे श्रीकृष्ण, राम, राजा जनक आदि ने किया। इसलिए यहां राजा जनक का उदाहरण बार-बार आता है। राजा जनक एक अवस्था है, जिसमें राजा होते हुए भी आप संन्यासी का जीवन जी सकते हैं।

बौद्ध और हिंदू धर्म दोनों ही मार्ग अपने-अपने स्थान पर महत्व रखते हैं। जिसको जहां रुचि लगे, वह उस मार्ग पर अपनी आध्यात्मिक यात्रा का आरंभ कर सकता है। दुख को याद करते रहने से दुख से ऊपर उठना सभी के लिए आसान नहीं है, लेकिन अपने स्वरूप में टिक जाने से दुख से ऊपर अपने आप उठा जा सकता है। जीवन मिला है उत्साह, उमंग, उल्लास, आनंद और नृत्य के लिए! उसको उसी रूप में जीकर जीवन को पूर्णता से भर देना है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

ईश्वर सम्बन्धी साधना करने और न करने वाले चार प्रकार के जीव बताए गए हैं- नित्य, मुक्त, मुमुक्षु और बद्धजीव।

1. नारद आदि नित्य जीव हैं। ऐसे जीव ईश्वर को प्राप्त कर चुके, किंतु औरों के हित के लिए उन्हें शिक्षा देने के लिए संसार में रहते हैं। 2. मुक्त जीव- संसार के धन, सम्पत्ति, स्त्री, पुत्र आदि बंधन में नहीं फंसते जैसे साधु महात्मा। इनके मन में विषय बुद्धि नहीं रहती। ये सदा ईश्वर की ही चिंता करते हैं। 3. मुमुक्षुजीव-ये मुक्ति की इच्छा रखते हैं। इनमें जिज्ञासा होती है। ये ईश्वर प्राप्ति संबंधी साधना भी करते हैं। इनमें से कोई मुक्त हो जाते हैं कोई नहीं। 4. बद्धजीव- जो लोग संसार के विषयों में कामिनी कांचन में फंसे हैं वे बद्धजीव हैं। उनके हाथ, पैर बंधे हैं फिर वे सोचते हैं कि विषय भोगों से ही संसार में सुख है और यहां हम निर्भय हैं। वे नहीं जानते, इन्हीं में इनकी मृत्यु होगी। बद्ध जीव जब मरता है तब उसकी स्त्री कहती है 'तुम तो चले पर मेरे लिए क्या कर गये।' माया भी ऐसी होती है कि बद्धजीव पड़ा तो है मृत्यु शय्या पर, चिराग में ज्यादा बत्ती जलती देखकर कहता है 'तेल बहुत जल रहा है बत्ती कम करो.' **क्रमशः**

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

गौरवी डॉटर-प्रतिभा, चेतेन्द्र, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

निजी क्षेत्र के अस्पताल एवं शिक्षण संस्थाओं पर अंकुश जरूरी-देवेन्द्र

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने एक वक्तव्य में कहा है कि निजी क्षेत्र के अस्पताल एवं शिक्षण संस्थाओं की मनमानी रोकने के लिए इन पर अंकुश जरूरी है। राज्य सरकार इन पर नियंत्रण के लिए जो नया कानून लागू किया जा रहा है वह एक अच्छी पहल है। इससे जनता की जेब लुटने से बचेगी। जब-जब भी सरकार इन संस्थाओं पर नियंत्रण की कोशिश करती है तभी ये सरकार के समक्ष अपना विरोध दर्ज कराते रहे हैं। निजी अस्पताल और निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा किस तरह जनता को लूटा जाता है वह किसी से छिपा नहीं है। इसलिए जन हित में सरकार को इन पर नियंत्रण के लिए कानून शीघ्र लाना चाहिए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

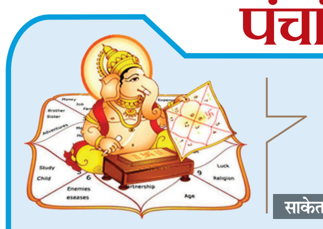

ज्योतिर्विद्
अक्षय
शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 08/02/2023

सूर्योदय : 07:14 **सूर्यास्त** : 18:00 **चन्द्रोदय** : 20:25 **चन्द्रास्त** : 08:44 **शक सम्वत** : 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना** : माघ **पूर्णिमांत** : फाल्गुन **सूर्य राशि** : मकर **चन्द्र राशि** : सिंह **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : तृतीया, 30:23 तक **वार** : बुधवार **शक सम्वत** : 1944 शुभकृत **विक्रम सम्वत** : 2079 राक्षस **चन्द्रमास फाल्गुन** : पूर्णिमान्त **माघ** : अमान्त **गुजराती सम्वत** : 2079 आनन्द

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 20:08 तक
योग : अतिगंदा, 16:26 तक
प्रथम करण : वणिजा, 17:26 तक
द्वितिय करण : विष्टि, 30:23 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:21 ए एम से
प्रात: सन्ध्या	05:47 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:26 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:03 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:06 पी एम से
अमृत काल	01:11 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:09 ए एम, फरवरी 09 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : मंगल
अग्निवास : पृथ्वी

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 07:13 - 08:34	उद्वेग : 05:59 - 07:38
अमृत	: 08:34 - 09:54	शुभ : 07:38 - 09:18
काल काल वेला	: 09:54 - 11:15	अमृत : 09:18 - 10:57
शुभ	: 11:15 - 12:36	चर : 10:57 - 12:36
रोग वार वेला	: 12:36 - 01:57	रोग : 12:36 - 02:15
उद्वेग	: 01:57 - 03:18	काल : 02:15 - 03:54
चर	: 03:18 - 04:39	लाभ : 03:54 - 05:33
लाभ	: 04:39 - 05:59	उद्वेग : 05:33 - 07:12

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज तृतीया

आज कौन सा कार्य करें

तृतीया को यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

फाल्गुन, कृष्ण, तृतीया, 2079 बुधवार, 8 फरवरी - 14 फरवरी, 2023

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]

कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]

क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक [तो, ना, नी, नू, या, यी, यू]

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]

आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

अधिवक्ता पेशे की गरिमा बढ़ाना ही उद्देश्य-डॉ. आहूजा

केकड़ी बार ने बार कौंसिल की अनुशासन समिति में नामित सदस्य डॉ.मनोज आहूजा का किया सम्मान व अधिवक्ता गजराज सिंह कानावत का मनाया जन्मदिन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। बार एसोसिएशन केकड़ी द्वारा मंगलवार को बार एसोसिएशन के कक्ष में केकड़ी बार के अधिवक्ताओं के सम्मान हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया।

समारोह में बार कौंसिल आफ राजस्थान द्वारा अनुशासन कमेटी में बतौर सदस्य नामित एडवोकेट डॉ. मनोज आहूजा सहित अधिवक्ता गजराज सिंह कानावत माल्यार्पण कर साफा बंधवा कर अभिनंदन बार अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़ एवम बार कार्यकारिणी द्वारा प्रारंभ किया इस अभिनंदन समारोह में बार के अनेकों सदस्यों द्वारा भी अपनी आहुतियां दी गई। समारोह को अधिवक्ता सुरेन्द्र सिंह राठौड़ व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़ ने सम्बोधित किया और सभी को शुभकामनाएं प्रदान की और कहा कि बार कौंसिल में पूरे अजमेर जिले से केकड़ी के अधिवक्ता का चयन होना केकड़ी बार के लिए गौरव की बात है। बार कौंसिल की अनुशासन समिति में नामित अधिवक्ता डॉ.मनोज आहूजा ने अपने उद्बोधन में अनुशासन समिति सदस्य के कार्य एवं दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता डॉ. मनोज आहूजा व गजराज सिंह कानावत का माल्यार्पण व साफा पहनाकर अभिनन्दन किया गया। तथा अधिवक्ता गजराज सिंह कानावत का केक काटकर हार्दिक बधाई व शुभकामनायें दी। समारोह के अंत मे बार अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़ द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।समारोह का संचालन बार के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा किया गया।समारोह में बार अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष रामावतार मीणा, पुस्तकालय अध्यक्ष विजेंद्र पाराशर मगनलाल लोधा,लोकेश शर्मा, नंदकिशोर वर्मा दशरथ सिंह काण्डलोत,सुरेंद्र सिंह धन्नावत मुकेश शर्मा भारती पोपटानी गजेंद्र पाराशर सहित बार के समस्त अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

महिलाओं ने मनाया बसंतोत्सव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश अग्रवाल महासभा राजस्थान एवं अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वाधान में विद्याधर नगर में बसंतोत्सव मनाया गया। उत्सव की शुरुआत में 51 दियों से आरती करके मां सरस्वती का आव्हान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने बढ़चढ़ कर मौजूदगी दिखाई। संस्था की प्रदेश अध्यक्ष शशि गुप्ता एवं मृदुला पंसारी ने बताया के कार्यक्रम में महिलाओं ने हाउ जी, डांस, संगीत इत्यादि कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर संस्था की जिला अध्यक्ष सुमन अग्रवाल, वसुंधरा मित्तल, अनुपमा गुप्ता, अलका अग्रवाल, मंजू अग्रवाल सभी ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया

एसडीम को सौंपा ज्ञापन

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। दांतीवाड़ा से पीपाड़ सिटी टू मेंडता राज्य राजमार्ग संख्या 21 के निर्माण कार्य को लेकर उपखंड अधिकारी को अजय सिंह टाक के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया। उन्होंने बताया की रोड़ निर्माण दौरान जिसमें खसरा संख्या 1272/17, 1272/18 ,1272/19 ,1277, 1276,1275, 1274, इन सभी खसरा से एक तरफ से भूमि ली जा रही हैं जो कि उचित नहीं है नक्शा के मुताबिक खसरा संख्या 1273 की भूमि सड़क नक्शा में दर्ज है परंतु अवपती में इसका इंदराज नहीं है नक्शा विभाग द्वारा जिसमें दक्षिण ,उत्तर की तरफ खसरा नंबर 2336, 2341/1 को नहीं दर्शाया गया। जबकि रोड के बीच सेंटर से नहीं लिया गया इन खसरा का राजनीतिक तरीके से बचाव किया गया जो कि उचित नहीं है सभी वार्ड वासियों का निवेदन है की सड़क निर्माण का कार्य बीच सेंटर से किया जाए जिसे जिससे सभी को फायदा मिलेगा।

जोधपुर प्रेस क्लब (रजि.) ने पुरजोर शब्दों में कि पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग..

पत्रकारों पर हमले,अभद्र व्यवहार और झूठे मुकदमें बर्दाश्त नहीं- डॉ मोईनुल हक

जोधपुर @ जागरूक जनता। निकटवर्ती भोपालगढ़ में पत्रकार एस पी देवड़ा के साथ मारपीट व कातिलाना हमले के मामले में पुलिस की निष्क्रियता और बार-बार धमकाये जाने के विरोध में आज जोधपुर प्रेस क्लब (रजि.) के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस के आला अधिकारियों को ज्ञापन देकर इस मामले में उचित कार्यवाही की मांग की। जोधपुर प्रेस क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. मोईनुल हक के नेतृत्व में प्रेस क्लब के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस महानिरीक्षक पी. रामजी को ज्ञापन देकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। साथ ही बताया कि हमारे पत्रकार साथी की ओर से दर्ज मुकदमे में कार्यवाही नहीं की जा रही है तथा पुलिस की ओर से उन्हें डराया धमकाया जा रहा है। साथ ही उन पर हमले करवाए जा रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया है कि पत्रकार के खिलाफ एससी एसटी एक्ट के झूठा मुकदमा भी दर्ज करवाया गया है। जिस व्यक्ति ने मुकदमा दर्ज करवाया है वह इस तरह के मुकदमे दर्ज करवाने का आदि है। पिछले कुछ वर्षों में उसने ऐसे कई मुकदमे दर्ज करवाए हैं। जिसमें से अधिकांश झूठे साबित हुए है। पुलिस महानिरीक्षक ने जोधपुर प्रेस क्लब (रजि.)के पत्रकारों की बात को धैर्य पूर्वक सुना और सहानुभूति पूर्वक न्याय करने की भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल में प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष सुभाष सिंह चौहान, लक्ष्मण मोतीवाल, शरद शर्मा, सैयद जुनैद, रफीक मोहम्मद, चेतन चौहान, दिलावर खान आदि शामिल थे।

चित्तौड़गढ़ सांसद जोशी ने राष्ट्रपति को शबरी, मोदी को राम बताया

बोले-मुर्मू ने संसद में एंट्री की तो लगा शबरी के स्वागत में श्रीराम खड़े हैं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली/जयपुर। संसद में राष्ट्रपति अभिभाषण पर बहस के दौरान चित्तौड़गढ़ से बीजेपी सांसद सीपी जोशी ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को शबरी और पीएम नरेंद्र मोदी को राम बता दिया। पीएम के कामकाज की तारीफ करते हुए जोशी ने ये बात कही। संसद में जोशी के बोलते ही सांसदों में कानाफूसी शुरू हो गई थी। अब इस तुलना पर सियासी विवाद की संभावना है।

सीपी जोशी ने कहा- देश के प्रधानमंत्री अपने आपको शासक नहीं प्रधान सेवक मानकर गर्व करते हैं। एक नरेंद्र वह थे, जिन्होंने कहा था लक्ष्य की पूर्ति तक मत रुको। एक नरेंद्र ये हैं जो चलते रहो के सिद्धांत को अपनाकर ?देशसेवा के लिए निकल पड़े हैं। गरीब को गणेश मानकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा- त्रेता युग में माता शबरी श्री राम का स्वागत करने के लिए आतुर थीं। आज हम लोग संयुक्त सत्र की बात करें। राष्ट्पति आज जब संसद में प्रवेश कर रही थीं, तब ऐसा लग रहा था कि उस समय त्रेतायुग में शबरी श्रीराम का स्वागत कर रही थीं। अभी ऐसा लग रहा था, जैसे श्रीराम शबरी का स्वागत करने के लिए, उनका अभिनंदन करने के लिए संसद के द्वार पर खड़े हैं। उनके स्वागत के लिए, उनके अभिनंदन के लिए।

सांसद ने कहा- प्रधानमंत्री देश को आगे बढ़ाने के लिए दूरदर्शिता से काम कर रहे हैं। उनके विजन से देश आगे बढ़ रहा है। पीएम अपने विजन से देश को विकसित बनाने और प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए काम कर रहे हैं।

आज हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जी-20 देशों की अगुवाई हम कर रहे हैं। जी-20 देश सकल घरेलू उत्पाद का 85% भागीदारी रखता है, जो वैश्विक व्यापार में 75% हिस्सेदारी रखता है, जो दुनिया की दो-तिहाई आबादी का नेतृत्व करते हैं। ऐसे देशों की अध्यक्षता करने का अवसर भारत को मिला, इससे विदेशों में भारत की छवि मजबूत हुई है। राजस्थान के बांधों की तलहटी में एक खजाना छुपा हुआ है। इस खजाने की कीमत 20 हजार करोड़ रुपए है। हैरान हो गए....खजाने का मतलब सोना-चांदी या कीमती सामान नहीं, बल्कि उस बजरी से है, जिसे बेचकर सरकार 20 हजार करोड़ रुपए कमाएगी।

अफ्रीकन स्वाइन फीवर: ब्लॉक स्तर पर त्वरित कार्यवाही दल गठित

संक्रमित एवं निगरानी क्षेत्र में शूकर वंशीय पशुओं के आवागमन व परिवहन पर रोक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में अफ्रीकन स्वाइन फीवर के मामलों को गंभीरता से लेते हुए विभाग द्वारा राज्य के प्रत्येक ज़िले में ब्लॉक स्तरीय दलों का गठन संक्रमित क्षेत्र (इंफेक्टड जोन), निगरानी क्षेत्र (सर्विलेंस जोन) एवं मुक्त क्षेत्र (फ्री जोन) के आधार पर पृथक रूप से किया गया है। गठित दलों द्वारा संक्रमित एवं शूकर वंशीय पशुओं के विचरण स्थल पर पहुंच कर सर्वेक्षण कर रोग की रोकथाम एवं निदान के लिए हर संभव कार्यवाही की जा रही है। वही गठित दलों द्वारा संक्रमित एवं मृत शूकरों का सैंपल एकत्रित कर अफ्रीकन स्वाइन फीवर रोग की पुष्टि के लिए राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, निषाद भोपाल भिजवाए जा रहे है। रोग की आक्रामकता एवं शूकर पशुपालकों के हितों को मध्यनजर रखते हुए पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. भवानी सिंह राठौड़ द्वारा रोग की रोकथाम के सम्बन्ध में दिशा निर्देश जारी किये गए है।

उक्त मामले की अधिक जानकारी देते हुए निदेशक डॉ. राठौड़ ने बताया की समस्त राज्य की रोग के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुए विभागीय अधिकारीयों को अलर्ट जारी कर शूकर वंशीय पशुओं को इस रोग से बचाने एवं पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए विस्तृत दिशा -निर्देश प्रसारित किये गए है। वहीँ जंगली शूकरों में रोग प्रकोप नियंत्रण के लिए वन विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों के साथ सामंजस्य स्थापित कर कार्यवाही की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पशुपालक भी पशुओं में असामान्य स्थिति होने पर विभाग के अधिकारियों से तुरंत संपर्क किया जाना सुनिश्चित करें, ताकि राज्य के पशुओं को समय रहते इस तरह के आक्रामक रोगों से निदान पहुंचाया जा सके।

उत्साह से मनाया फागोत्सव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री दादी मंगल नव चेतना ग्रुप के द्वारा श्री दादी मंगल पाठ व श्री श्याम प्रभु फागोत्सव का आयोजन हनुमान वाटिका, बोरिंग चौराहा, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा मे पुरे आस्था एवं उत्साह से मनाया गया। आयोजन स्थल पर नारायणी माता श्री राणी सती एवं श्री श्याम प्रभु का अदभुत दरबार सजाया गया,दरबार मे 56 प्रकार के भोग लगाए गए। माता को सार्वजनिक रूप से आस्था से परिपूर्ण चुनड़ी चढ़ाई गयी, प्रत्येक श्रद्धालू के द्वारा रोली व मेहंदी के द्वारा पूजा स्थल पर स्वस्तिक का निर्माण/व अन्य विद्यानों से पूजा अर्चना की गयी, कार्यक्रम मे दादी नाम आराधना के कुमार शरद व अंजू शर्मा के द्वारा मंगल पाठ व मीठे भजनो के द्वारा कार्यक्रम मे उपस्थित सभी को मन्त्र मुग्ध कर दिया इस आयोजन मे मानो विराजित दादी व श्याम प्रभु सभी को आशीर्वाद देने स्वयं पहुँच गए हो। कार्यक्रम दौरान गार्डन मे अल्पाहार, चाय-पानी, सायंकाल मिष्ठान युक्त भोजन प्रसादी सभी ने ग्रहण की, कार्यक्रम मे विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों मे रीको के निदेशक सीताराम अग्रवाल, आनंद गुप्ता, राधेश्याम अग्रवाल, माखन कांडा, पवन कुमार मित्तल, ओम प्रकाश अग्रवाल,नटवर गर्ग, कृष्णा अवतार अग्रवाल, श्रीकांत अग्रवाल व काफ़ी अन्य लोगो ने भाग लेकर अपनी आस्था जताई। कार्यक्रम की आयोजन कर्ता श्री दादी मंगल नव चेतना ग्रुप की प्रियंका गोयल, मंजू अग्रवाल, उषा बैराठी, अनीता अग्रवाल ने अपने प्रयासों व कड़ी मेहनत से इस कार्यर्‍ म का सफल एवं सुन्दर आयोजन किया, आशा अग्रवाल अनीता यादव एवं सभी का आर्थिक सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम स्थल पर वसुंधरा मित्तल, पिंकी गुप्ता, अनुपमा गुप्ता, सपना अग्रवाल, सावित्री अग्रवाल की सक्रियता रही।

बोर्ड परीक्षा परिणाम कमजोर रहने पर प्रदेशभर के 519 शिक्षकों को नोटिस

जयपुर @ जागरूक जनता। शिक्षा सत्र 2021-22 में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की परीक्षा में न्यून परिणाम देने वाले शिक्षकों को नोटिस दिए गए हैं। जिसका जवाब संबंधित शिक्षक को 15 दिन में देना होगा। इसमें लापरवाही बरतने पर शिक्षक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल ने प्रदेश के 519 शिक्षकों को नोटिस जारी किए हैं। इनमें दसवीं बोर्ड परीक्षा का खराब परिणाम देने वाले 373 तथा बारहवीं बोर्ड परीक्षा में खराब परिणाम देने वाले 146 शिक्षक शामिल है। निदेशक ने आदेश में कहा कि विद्यालय में कार्यरत रहने के दौरान सत्र 2021-22 में कक्षा दसवीं एवं बाहरवीं का परीक्षा परिणाम विभागीय मानदण्ड से कम रहा है। परीक्षा परिणाम न्यून रहने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने से पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। शिक्षकों को नोटिस का 15 दिन में स्पष्टीकरण देना है। इस अवधि में जवाब नहीं देने पर उसके खिलाफ 17 सीसीए के तहत कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

JETHI TECH SOLUTIONS

Follow Us: @jethitech

ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

आमजन से कोसों दूर है केंद्र सरकार का आम बजट-गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने बुधवार को पेश केंद्र सरकार के आम बजट को 'थोथा चना बाजे घना' बताते हुए कहा कि यह आमजन से कोसों दूर है। इसके साथ ही गहलोत ने कहा कि इस बजट में राजस्थान को कुछ नहीं मिला है और पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय दर्जा नहीं मिलने से 13 जिलों के लोग खासे निराश हैं। गहलोत ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा,"केंद्रीय बजट 'थोथा चना बाजे घना' साबित हुआ है। केंद्र ने अमृत काल का विजन तो रखा, लेकिन आमजन को पूरी तरह से निराशा हाथ लगी है। वर्तमान केंद्र सरकार के अंतिम बजट में राजस्थान को कुछ भी नहीं मिला।

शिक्षा-रोजगार-समाज

पढ़ेंगे भी, बढ़ेंगे भी

केंद्रीय बजट में इंडिया@100 का खाका पेश किया गया है. शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार सृजन को गति दिया गया है. अर्थव्यवस्था के रूप में परिवर्तित करने का ठोस आधार तैयार किया गया है.

धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

बजट में रोजगार सृजन को लेकर दृष्टिकोण नहीं है. महंगाई से निबटने के लिए योजना नहीं है. असमानता दूर करने का कोई इरादा नहीं है. सरकार के पास भारत के भविष्य के निर्माण के लिए कोई रूपरेखा नहीं है.

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

बजट में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में कटौती का नया दौर देखने को मिला है, नरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बाल पोषण योजनाएं और मातृत्व लाभ जैसी योजनाओं के लिए आवंटन में कमी की गयी है.

ज्यां द्रेज, सामाजिक कार्यकर्ता

शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कई योजनाओं को गति

खुलेंगे 157 नये नर्सिंग कॉलेज, अब गांव-गांव में डिजिटल लाइब्रेरी भी

डिजिटल लाइब्रेरी में मिलेंगी स्थानीय भाषाओं में किताबें

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वित्तमंत्री सीतारमण के बजट के पिटारे से शिक्षा के क्षेत्र के लिए बड़ा तोहफा निकाला है. कोरोना काल में सबसे अधिक असर शिक्षा पर पड़ा था. सरकार की ओर से इस बार इसमें सुधार पर अधिक ध्यान दिया गया है. देश के हर युवा और बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए भारत सरकार ने बजट में बड़ा ऐलान किया है. सरकार द्वारा 2014 से अब तक 157 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की गयी थी. बुधवार को वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा कि जहां-जहां मेडिकल कॉलेज हैं, वहां पर अब 157 नये नर्सिंग कॉलेज खोले जायेंगे.

उन्होंने बच्चों और किशोरों के लिए नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की भी घोषणा की. उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी पंचायत और वार्ड स्तरों पर खोले जायेंगे. इसके लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा. सरकार हर संभव मदद करेगी. लाइब्रेरी के माध्यम से बच्चों और किशोरों के लिए अलग-अलग इलाकों, भाषाओं, विषयों और स्तरों में गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें उपलब्ध होंगी. इससे स्थानीय स्तर पर लोगों को काफी फायदा होगा.

अध्यापकों में दक्षता बढ़ाने के लिए मिलेगी ट्रेनिंग

नवोन्मेषी शिक्षा विज्ञान, पेशेवर विकास, डिपस्टिक सर्वेक्षण और आइसीटी कार्यान्वयन के माध्यम से अध्यापकों को प्रशिक्षित भी किया जायेगा. इस उद्देश्य के लिए जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थानों को जीवंत उत्कृष्ट संस्थानों के रूप में तैयार किया जायेगा.

157
मेडिकल कॉलेजों की 2014 से अब तक की गयी है जहां स्थापना, उन्हीं स्थानों पर केंद्र सरकार खोलेगी अब नर्सिंग कॉलेज

बढ़ा एजुकेशन बजट

वित्त वर्ष 2023-24 में	
शिक्षा बजट	₹1.12 लाख करोड़
स्कूली शिक्षा पर खर्च होंगे	₹68.80 हजार करोड़
उच्च शिक्षा पर खर्च होंगे	₹44.09 हजार करोड़
वित्त वर्ष 2022-23 में	
शिक्षा बजट	₹1.04 लाख करोड़
स्कूली शिक्षा पर खर्च हुए	₹63.45 हजार करोड़
उच्च शिक्षा पर खर्च हुए	₹40.83 हजार करोड़

क्या अंतर आया

08	5.35	3.25
हजार करोड़ रुपये बढ़ा शिक्षा बजट	हजार करोड़ ज्यादा खर्च होंगे स्कूली शिक्षा पर	हजार करोड़ रुपये बढ़ा उच्च शिक्षा का बजट

2023
की जीडीपी का 2.9 प्रतिशत शिक्षा के व्यय में वृद्धि

चिकित्सा उपकरणों के लिए बहु विषयक पाठ्यक्रमों को किया जायेगा लागू

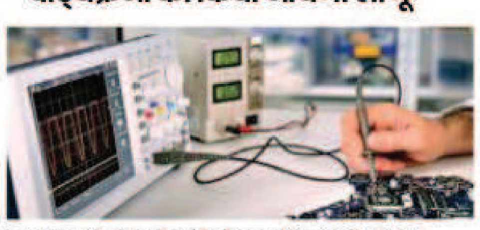

बजट भाषण के दौरान वित्तमंत्री सीतारमण ने बताया कि मौजूदा संस्थानों में चिकित्सा उपकरणों के लिए बहुविषयक पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दिया जायेगा. उनका मानना हैं कि इससे भविष्य में चिकित्सा के क्षेत्र में एक दशक बाद कुशल मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी.

क्षमता विकास

मिशन कर्मयोगी योजना के तहत सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण

केंद्र सरकार ने मिशन कर्मयोगी के तहत केंद्र, राज्य और संघ राज्य क्षेत्र सिविल सेवकों के लिए क्षमता निर्माण योजनाएं तैयार और क्रियान्वित कर रही है. सरकार ने एकीकृत ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए आइगॉट कर्मयोगी नामक एक प्लेटफॉर्म भी शुरू किया है, जिस पर लाखों सरकारी कर्मचारियों को अपने कौशल का उन्नयन करने के लिए और लोक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने के लिए निरंतर सीखने के अवसर मिलेंगे.

₹510.86 करोड़ खर्च किये जायेंगे मिशन कर्मयोगी योजना पर

साक्षरता दर में सुधार के लिए ली जायेगी एनजीओ की मदद

पढ़ने की संस्कृति में बढ़ावा देने व साक्षरता दर में सुधार के लिए सरकार एनजीओ की मदद लेगी, जो भी एनजीओ शिक्षा के क्षेत्र काम कर रही हैं, उनके साथ जुड़ना इस बार बजट का मुख्य उद्देश्य है. बजट में वित्तीय साक्षरता पर भी जोर दिया गया है.

5जी ऐप आधारित एप्लिकेशन के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों में 100 लैब

इंजीनियरिंग संस्थानों में 5जी सेवाओं का उपयोग करते हुए एप्लिकेशन को विकसित करने के लिए 100 प्रयोगशालाएं स्थापित की जायेंगी. उपयोग कर अनुप्रयोगों को विकसित करने के लिए विभिन्न प्राधिकरणों, नियामकों, बैंकों और अन्य व्यवसायों के सहयोग से इंजीनियरिंग संस्थानों में स्थापित की जायेंगी. उन्होंने कहा कि अवसरों की नयी सीरीज, व्यापार मॉडल और रोजगार क्षमता का एहसास करने के लिए, प्रयोगशालाएं अन्य बातों के साथ-साथ स्मार्ट क्लासरूम, सटीक खेती, बुद्धिमान परिवहन प्रणाली जैसे अनुप्रयोगों को कवर करेंगी.

88
हजार रुपये खर्च करती है केंद्र सरकार कौशल विकास योजना के तहत एक युवा को प्रशिक्षण देने पर

30
स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर स्थापित होंगे. यहां अंतरराष्ट्रीय अवसरों के लिए कौशल की ट्रेनिंग दी जायेगी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई के लिए खुलेंगे 3 केंद्र

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को घोषणा की कि शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के लिए तीन उत्कृष्टता केंद्र की भी स्थापना की जायेगी. प्रमुख उद्योग घराने अंत:विषय अनुसंधान करने, अत्याधुनिक अनुप्रयोगों को विकसित करने और कृषि, स्वास्थ्य, टिकाऊ शहरों के क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान में भागीदार होंगे. इन केंद्रों में कृषि, स्वास्थ्य और शहरी विकास के लिए काम होगा. ये केंद्र देश में कुशल एआइ पेशेवरों को प्रशिक्षित करने में सक्षम बनायेंगे.

5G 50%

47 लाख युवाओं को तीन साल तक मिलेगा भत्ता

बजट 2023 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोजगार के नये मौके पैदा करने के लिए भी कुछ बड़ी घोषणाएं की हैं. देशभर में 47 लाख युवाओं को सपोर्ट देने के लिए 'पैन इंडिया नेशनल एप्रेंटिसशिप स्कीम' शुरू की जायेगी, जिसके तहत 3 साल तक स्टाइपेंड/भत्ता दिया जायेगा. इससे युवा वर्ग को लाभ मिलेगा. भत्ता मिलने से गरीब वर्ग के लोग भी ट्रेनिंग पूरी कर सकेंगे और उन्हें कोर्स पूरी करने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा.

युवाओं में स्किल डेवलपमेंट के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार

देश के युवाओं को सशक्त बनाने और अमृत पीढ़ी के सपने को साकार करने के लिए केंद्र सरकार ने कौशलवर्द्धन पर केंद्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार की है. बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन के लिए सहायक आर्थिक अपनायी जा रही है और व्यवसाय के अवसरों का समर्थन किया है.

युवाओं को ट्रेनिंग देने के लिए पीएम कौशल विकास योजना 4.0 लॉन्च

अगले तीन सालों में लाखों युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 शुरू की जायेगी.

इसमें ऑन जॉब ट्रेनिंग, उद्योग साझेदारी और उद्योग की जरूरतों के साथ पाठ्यक्रमों के संरेखन पर जोर दिया जायेगा. यह योजना इंडस्ट्री 4.0 जैसे कोडिंग, एआइ (आर्टिफिशयल इंटेलिजेंसी), रोबोटिक्स, मेकाट्रॉनिक्स, आइओटी, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन और सॉफ्ट स्किल जैसे नये युग के पाठ्यक्रमों को शामिल करेगी.

मनरेगा के लिए 60,000 करोड़ रुपये आवंटित

नयी दिल्ली. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) के लिए 2023-24 वित्तीय वर्ष के लिए 60,000 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं, जो पिछले वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान से लगभग 32 प्रतिशत कम है. वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने बजट में मनरेगा के लिए 73,000 करोड़ रुपये आवंटित किये थे, जबकि संशोधित अनुमान के मुताबिक खर्च 89,400 करोड़ रुपये था.

50 पर्यटन स्थल विकसित होने से बढ़ेंगे रोजगार

पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और विकास की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए केंद्रीय बजट 2023-24 में देश में 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने की घोषणा की गयी है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इस क्षेत्र में नौकरी और उद्यमशीलता के लिए बहुत बड़ा अवसर है. पर्यटन के प्रचार को मिशन मोड पर किया जायेगा, जिसमें राज्यों की सक्रिय भागीदारी, सरकारी कार्यक्रमों का समावेश और सार्वजनिक-निजी साझेदारी शामिल है

जनजातीय इलाकों के विकास के लिए कई योजनाओं की सौगात

आदिवासी इलाकों के एकलव्य मॉडल स्कूलों में 38,800 पदों पर शिक्षकों-कर्मचारियों की भर्ती

आदिवासी इलाकों के 740 एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों में पढ़ते हैं 3.5 लाख छात्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने इस बार के बजट में आदिवासी समुदाय के लिए महत्वपूर्ण जगह दी है. वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों के लिए 38,800 शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती की जायेगी. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को लोकसभा में बजट पेश करते हुए यह घोषणा की. उन्होंने कहा कि आने वाले तीन सालों में केंद्र सरकार 3.5 लाख आदिवासी छात्रों के लिए 740 एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों के लिए भर्ती करेगी. नये शिक्षकों की भर्ती होने से बच्चों को पढ़ाई में मदद मिलेगी.

साल 2023-24 में एकलव्य स्कूलों के लिए 5943 करोड़ रुपये आवंटित

केंद्र सरकार ने वित्ती वर्ष 2023-24 में एकलव्य मॉडल स्कूलों की राशि दो हजार करोड़ रुपये से बढ़ा कर 5943 करोड़ रुपये कर दिया गया है.

जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए बजट राशि में हुई 47 फीसदी की वृद्धि

बजट में जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए वित्त वर्ष 2023-24 के वास्ते 12,461.88 करोड़ रुपये आवंटित किये गये, इस लिहाज से मंत्रालय के बजटीय आवंटन में 47.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. वित्त मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के लिए 8,451.92 करोड़ रुपये आवंटित किये थे, जिसे बाद में संशोधित कर 7,301 करोड़ रुपये कर दिया गया. वर्ष 2021-22 में जनजातीय मामलों के मंत्रालय का वास्तविक व्यय 6,173.97 करोड़ रुपये हुआ.

जनजातीय समूहों की बस्तियों के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपये होंगे खर्च

वित्त मंत्री ने आदिवासियों के विकास पर भी विशेष जोर दिया है. उन्होंने कहा कि 15 हजार करोड़ रुपये की लागत से विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के लिए नयी योजना शुरू होगी. इन जनजाति समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए पीएमपीवीजीटी विकास मिशन शुरू किया जायेगा, ताकि आदिवासी बस्तियों को मूलभूत सुविधाएं दी जा सके. अगले तीन साल में योजना को लागू करने के लिए 15,000 करोड़ उपलब्ध कराये जायेंगे. पीवीटीजी परिवारों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, सड़क और दूरसंचार की सुविधा और आजीविका के अवसरों जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए इस राशि का इस्तेमाल किया जायेगा.

गरीब परिवार को अगले साल तक मुफ्त राशन

केंद्र सरकार ने सभी अंत्योदय और प्राथमिकता परिवारों को अगले साल यानी 2024 तक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने की घोषणा की है. पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये का बजट रखा गया है.

जेल में बंद गरीबों की रिहाई करायेगी सरकार

जेल में बंद गरीबों के मुद्दे को पहली बार केंद्र सरकार ने अपने बजट में शामिल किया है. पैसों की तंगी के चलते जो कैदी जेल से बेल नहीं ले पाते हैं, उनका खर्च सरकार उठायेगी. ऐसे कैदियों की संख्या करीब दो लाख है.

जागरूक खबरें

संत रविदास जयंती महोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया

केकड़ी @ जागरूक जनता। रैगर समाज केकड़ी द्वारा संत रविदास जयंती महोत्सव धूम धाम से मनाया। इस अवसर पर समाज के लोगों द्वारा जुलूस व शोभायात्रा निकाली गई जुलूस व शोभा यात्रा में भाजपा नेता अनिल मित्तल व समाजसेवी गोपाल लाल वर्मा अतिथि की मौजूदगी में पूजा अर्चना के बाद रेगर मोहल्ला स्थित बाबा रामदेव मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। सत्संग समिति संरक्षक पारसमल कांसोटिया,अध्यक्ष लोकेश कांसोटिया, मीडिया प्रभारी महावीर प्रसाद कांसोटिया, पुष्कर गंगा मंदिर कमेटी सदस्य गजानंद कांसोटिया,पूर्व पार्षद महेंद्र गढ़वाल,मोहन लाल रेगर,प्रवीण कांसोटिया, बाबूलाल कांसोटिया, चेतन हरिराम कांसोटिया, रामेश्वर कांसोटिया, महावीर पेंटर,पप्पू उच्चैनिया,नोरत हिंनोणिया, राधेश्याम कांसोटिया, धनरूप रेगर, दयाशंकर बांसीवाल रणजीत रेगर आदि लोगों ने शोभा यात्रा में व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया। इस दौरान कालू सांटिवाल, प्रह्लाद मिस्त्री,अनिल कांसोटिया, जगदीश रेगर, लाभचंद खटकडिया,मुकेश चांदका, रामनिवास कांसोटिया राधेश्याम रेगर, सांवरा खटकड़िया, नरेंद्र कांसोटिया, सुरेन्द्र कांसोटिया, छोटूलाल राठाडिया, दुर्गा लाल रेगर आदि सहित कई लोग मौजूद थे।

बल, बुद्धि और विद्या से पूर्ण बनेंगे गुरुकुल विद्यार्थी

उदयपुर @ जागरूक जनता। निर्धन,अनाथ एवं आदिवासी बच्चों को वैदिक एवं सनातन शिक्षा देने के संकल्प से नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित नारायण गुरुकुल में वेदपाठी पंडित पुरुषोत्तम शास्त्री ने विद्यार्थियों को व्याख्यान दिया। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि गुरुकुल के 21 विद्यार्थियों को ज्योतिष, धर्म, कर्म और पुराणों का ज्ञान देने के लिए हर सप्ताह विशेष आमंत्रित गुरुजन आते है। रविवार को शास्त्री ने विद्यार्थियों को राम,कृष्ण, तुलसी के गुरुओं की जानकारी दी और गुरु -ज्ञान से उनके व्यक्तित्व व कृतित्व में आए निखार से अवगत कराया 7 उन्हें विद्यार्थी जीवन में अनुशासन और व्यवहार का महत्व भी बताया गया। इस दौरान अर्चना गोवलकर और उपेंद्र शास्त्री भी मौजूद रहे।

छात्राओं का प्रियदर्शनी पुरस्कार के लिए हुआ चयन

केकड़ी @ जागरूक जनता। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केकड़ी की तीन छात्राओं का राज्य सरकार द्वारा प्रदत इंदिरा प्रियदर्शनी पुरस्कार के तहत चयन हुआ है। प्रधानाचार्य दशरथ सिंह शक्तावत ने बताया कि 2022 में विज्ञान वर्ग कक्षा 12 में अपनी कैटेगरी में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली तीन छात्राओं ममता खटीक, गुंजन कुमारी साहू व अंजलि मीणा को राज्य सरकार द्वारा एक लाख रुपये व स्कूटी मिलेगी। प्रभारी व्याख्याता विनोद कुमार जैन ने बताया कि विद्यालय की मेघावी छात्राओं ने सरकारी विद्यालय का रोशन किया है । उन्होंने छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की ।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने नरेन्द्र मोदी का आभार जताया

उदयपुर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं प्रदेश पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक जयपुर में आयोजित की गई जिसमें भगवान देवनारायण जी के 1111वें प्राकट्य उत्सव पर मालासेरी डूंगरी आसींद भीलवाड़ा में प्राकट्य उत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर समस्त राजस्थान एवं भारतवर्ष के गुर्जर समाज का गौरव बढ़ाया है। इसके लिए अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कामिनी गुर्जर ने बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे के बाद अन्य पार्टी के नेताओं द्वारा की जा रही टिप्पणीयों पर गुर्जर महासभा ने कहा कि मोदी जी के दौरे से गुर्जर समाज का मान सम्मान बढ़ा है और इस दौरे को लेकर किसी भी पार्टी के नेता को अर्नगल बयानबाजी नहीं करनी चाहिए।

सरवाड़ ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय का हुआ शुभारंभ

केकड़ी @ जागरूक जनता। सरवाड़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यालय का शुभारंभ डॉ रघु शर्मा पूर्व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री एवं केकड़ी विधायक तथा युवा नेता सागर शर्मा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य के कर कमलों द्वारा समेलिया चोराये के पास किया गया।इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष श्याम लाल बेरवा ने डॉ रघु शर्मा एवं युवा नेता सागर शर्मा को माला व साफा पहनाकर हार्दिक स्वागत किया गया एवं सभी अतिथिगणों का भी अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर हरि सिंह राठौड़ सदस्य राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामलाल गुर्जर, महासचिव रामस्वरुप प्रजापति, पूर्व पालिका अध्यक्ष शंकर सिंह राठौड़,पार्षद गण अतिक तंवर, जावेद अहमद, संजय साहू, सीताराम प्रजापति, अमित जैन, राधेश्याम बडारिया कजोड़ सोनी, पूर्व पार्षद लालाराम कोमल, महावीर कोमल, खिरिया सरपंच अजय तोषनीवाल, हितेश पाराशर,राजस्थान कालबेलिया समाज अध्यक्ष शिवप्रसाद कालबेलिया, देवेंद्र पारीक, पंचायत समिति सदस्य मोहन खारोल पूर्व ब्लाक अध्यक्ष प्रधान धाकड़, खबीर सुमरा, राजेश शर्मा जिला प्रवक्ता कांग्रेस कमेटी, कुलदीप सिंह जैसावत, संजय शर्मा प्रवक्ता नगर कांग्रेस कमेटी सरवाड़ अंबेडकर मंडल अध्यक्ष छगनलाल कोमल, सरवाड़ ब्लॉक महिला अध्यक्ष रेणु गुर्जर,हाजी

तीन महीने बाद खुला मंदिर, 1100 से ज्यादा जवान संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

बाबा खाटू श्याम का लक्खी मेला 22 से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। देश के लाखों श्याम भक्तों का खाटूश्याम मंदिर खुलने का इंतजार सोमवार को खत्म हो गया। 85 दिन बंद रहने के बाद मंदिर शाम 4.15 बजे भक्तों के दर्शन के लिए शुरू कर दिया गया। गौरतलब है कि 22 फरवरी से बाबा खाटू श्याम का लक्खी मेला शुरू होने जा रहा है, जो 4 मार्च को खत्म होगा। ऐसे में अब मेले तक रोज लाखों श्रद्धालु बाबा खाटू श्याम मंदिर के में दर्शन करेंगे। खाटू श्याम मंदिर 13 नवंबर से बंद है। मंदिर के विस्तार के लिए मंदिर को आम भक्तों के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया था। 2 महीने से ज्यादा समय तक खाटू कस्बे में कई विकास कार्य हुए।

खाटू कस्बे में इस बार 75 फीट के मेला ग्राउंड में लगे जिगजैग को 14 लंबी लाइन में बदला जा चुका है। पूरे ग्राउंड को टीनशेड से कवर किया गया है। पहले यहां केवल 4 लाइन थीं। लाइन बढ़ने से श्रद्धालुओं को आराम मिलेगा। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं की निकासी के लिए कानपुर वालों की धर्मशाला के पास 40 फीट चौड़ा नया रास्ता बनाया गया है। इसके अलावा खाटू कस्बे में कई आम रास्तों की चौड़ाई भी बढ़ाई गई है। इससे यहां भीड़ का दबाव ज्यादा नहीं बढ़ सके। बाबा खाटू श्याम के मासिक मेले के दौरान 8 अगस्त को भगदड़ में 3 महिलाओं की मौत हो गई थी।

75 फीट ग्राउंड के एंड में पहले जो इंक्वायरी सेंटर बना हुआ था उसे मंदिर चौक के बाहर ही शिफ्ट किया गया है ताकि श्रद्धालु बिना भीड़ में घुसे इंक्वायरी सेंटर से जानकारी ले सकें। कस्बे में कई सड़कों पर बिजली के तारों को अंडरग्राउंड किया गया है। इसके अलावा लखदातार ग्राउंड में श्रद्धालुओं को सबसे ज्यादा समय लगता है। ऐसे में अब लखदातार ग्राउंड में टीनशेड लगाया गया है। रींगस रोड पर 4 किलोमीटर का पैदल मार्ग बनाया गया है, जिससे मेले के अलावा अन्य दिनों में भी पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षा हो। हालांकि खाटू श्याम कस्बे में कुछ सड़कों का काम अभी तक पूरा नहीं हो पाया। इन्हें काम चलाने भर के लिए बना दिया गया है।

मेले से पहले ही 1100 आरएसी के जवान तैनात

खाटू श्याम जी का लक्खी मेला शुरू होने से पहले ही खाटू कस्बे में करीब 1100 आरएसी, पुलिस और सिक्योरिटी गार्ड तैनात कर दिए गए हैं। इन्होंने रविवार से ही अपने पॉइंट्स पर ड्यूटी शुरू दी है। इसमें आरएसी और पुलिस के जवानों की दो पारियों में 12-12 घंटे की ड्यूटी होगी। होमगार्ड की 8 घंटे की ड्यूटी के हिसाब से तीन पारी हैं। मंदिर खुलने के साथ भीड़ बढ़ने पर जाब्ता बढ़ा दिया जाएगा। मेले के दौरान करीब 3000 से 4000 सुरक्षा व्यवस्था जवान संभालते हैं। इस बार यदि भीड़ बढ़ती है तो यह संख्या बढ़ाई भी जाएगी।

राज्य में सबसे पहले चित्तौड़गढ़ पुलिस ने की पहल

निंबाहेड़ा सदर थाना में 5 जब्त वाहनों की हुई नीलामी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। भारत सरकार के गजट नोटिफिकेशन व पुलिस मुख्यालय के निर्देशों की पालना में सोमवार को जिले के सदर निंबाहेड़ा थाने में मादक पदार्थो की तस्करी में जप्त वाहनों का जिला स्तरीय औषधि व्ययन समिति द्वारा नीलामी कर निस्तारण किया गया।

प्रदेश में पहला ऐसा मौका है जब एनडीपीएस की तस्करी में शामिल वाहनों को पुलिस द्वारा खुली बोली लगा नीलाम किया गया। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि चित्तौड़गढ़ जिला अफीम का बृहद उत्पादन क्षेत्र होने व राज्य की सीमा से लगा होने के कारण मादक पदार्थों की तस्करी इसी रूट से होकर निकलने की वजह से जिले के कई थानों में मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल वाहनों को माल के साथ जब्त किया गया है। उक्त जब्त वाहनों से जिले के थाने के माल खाना भरे पड़े हुए हैं, थानों में अन्य वाहनों के रखने की व्यवस्था नहीं होने की वजह से उन्हें नियमानुसार निस्तारण किया जाना था।

भारत सरकार के गजट नोटिफिकेशन की अनुपालना व पुलिस मुख्यालय राजस्थान के निर्देशों पर पहल करते हुए जिला चित्तौड़गढ़ में पहली बार एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में जब्त ऐसे वाहन जिनका न्यायालय द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया हो, ऐसे वाहनों को खुली बोली लगाकर नीलाम किया गया। वाहनों की नीलामी के लिए पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत की अध्यक्षता में पाँच सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई, जिसमें एसपी अर्जुन सिंह, अपराध सहायक कृष्ण चंद्र बुनकर, सहायक लेखा अधिकारी कौशल किशोर शर्मा व परिवहन निरीक्षक सुजाना राम उपस्थित थे। जिन्होंने खुली बोली लगवा कर वाहनों की नीलामी करवाई। उक्त नीलामी में जिला चित्तौड़गढ़ के अलावा जिला उदयपुर, भीलवाड़ा, उज्जैन मध्य प्रदेश तक के बोलीदाता शामिल हुए।

नगर पालिका की साधारण सभा 11 को

केकड़ी @ जागरूक जनता। नगरपालिका केकड़ी की साधारण सभा 11 फरवरी को आयोजित की जाएगी अधिशासी अधिकारी सीता वर्मा ने बताया कि नगर पालिका मंडल की बैठक पूर्व में 6 फरवरी आयोजित होनी थी जो अपरिहार्य कारणों से स्थगित हो गई थी अतः अब 11 फरवरी को प्रातः 11:00 बजे नगर पालिका मंडल की बैठक सभा भवन में आयोजित की जाएगी जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष सहित सभी पार्षद गण तथा नगरपालिका कर्मचारी गण उपस्थित रहेंगे।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। डॉ. रघु शर्मा, पूर्व केबिनेट मंत्री एवं विधायक केकड़ी द्वारा वार्ड नं. 09 से 20 तक जन सुनवाई कादेड़ा रोड़ स्थित पटेल गार्डन में की गई। जन सुनवाई के दौरान विधायक के समक्ष वार्ड नं. 09 से 20 तक के पार्षदगण एवं वार्ड वासियों द्वारा अपनी-अपनी समस्याऐं यथा नल बिजली, पानी, पेंशन व विकास कार्य इत्यादि से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये गये जिन्हे संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। जन सुनवाई के दौरान पूर्व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री एवं विधायक का विभिन्न समाजों यथा, जाट महासभा केकड़ी, रेगर समाज, नायक, हरिजन समाज इत्यादि समाजों के प्रतिनिधियों द्वारा माला पहनाकर व साफा बंधवाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

जन सुनवाई के दौरान राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे 'प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021' के अन्तर्गत माननीय विधायक महोदय द्वारा 69 ए के तहत 56 पट्टे व कृषि भूमि नियमन के 38 पट्टे, भवन निर्माण स्वीकृति 07 एवं नामान्तरण प्रमाण पत्र 17 आवेदकों को वितरित किये गये तथा पट्टेधारियों द्वारा प्रशासन एवं डॉ. रघु शर्मा पूर्व केबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार जयपुर एवं विधायक केकड़ी का आभार व्यक्त किया गया। इसी दौरान डॉ. शर्मा द्वारा नगरपालिका क्षेत्र में हुये विकास कार्यो एवं करवाये जा रहे विकास कार्यो के विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस जन सुनवाई के दौरान कमलेश कुमार साहू पालिका अध्यक्ष, सागर शर्मा, शैलेन्द्र सिंह शक्तावत, राजेन्द्र भट्ट, केसर लाल चौधरी, सम्पत देवी झारोटिया उपाध्यक्ष, पार्षद नवल दाधीच, जुबीन खान, विनोद आचार्य, जितेन्द्र बोयत, रतन पंवार, नदीम अख्तर, इंसाफ अली शोरगर, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता मोहम्मद सईद नकवी, राधेश्याम गोपलान, मोड सिंह राणावत इत्यादि एवं विकास पंचोली उपखण्ड अधिकारी केकड़ी, सीता वर्मा आयुक्त एवं पदेन अधिशासी अधिकारी, रामकल्याण मीणा तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण व आम जन उपस्थित रहे।

दिसंबर तिमाही में बिरला कॉर्पोरेशन का राजस्व 9%बढ़ा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की दिसंबर तिमाही में कंसोलिडेटेड राजस्व तुलनात्मक आधार पर 9 प्रतिशत की दर से बढ़कर 1,911 करोड़ रुपये हो गया, लेकिन उच्च ईंधन लागत से कंपनी की लाभप्रदता प्रभावित हुई। कंपनी का 2,024 करोड़ रुपये का कुल राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक था, जिसमें मुकुटबन इकाई की बिक्री शामिल है, जिसने चालू वित्त वर्ष में कमर्शियल उत्पादन शुरू किया था। तिमाही के लिए मात्रा के हिसाब से कंसोलिडेटेड सीमेंट की बिक्री साल-दर-साल 11 प्रतिशत बढ़कर 3.72 मिलियन टन हो गई। दिसंबर तिमाही के लिए सीमेंट की उत्पादन लागत मुख्य रूप से बिजली और ईंधन के कारण पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक थी, जिसके परिणामस्वरूप तुलनात्मक आधार पर कम नकद लाभ हुआ, जो कि पिछले साल से 32 प्रतिशत कम होकर 115 करोड़ रुपये था। हालांकि मुकुटबन परियोजना के साथ कंपनी विस्तार को तेज कर रही है और मूल बजट की तुलना में निचले स्तर पर इसके प्रतिकूल प्रभाव को काफी कम स्तर पर नियंत्रित किया गया है। सीमेंट इंडस्ट्री पर असाधारण लागत के दबाव ने समग्र वित्तीय प्रदर्शन को कम कर दिया है। इससे दिसंबर तिमाही में 50 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 60 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। संदीप घोष द्वारा कंपनी के एमडी और सीईओ के रूप में कार्यभार संभालने के अलावा, कंपनी ने सेल्स, लॉजिस्टिक्स, आईटी और मैन्युफैक्चरिंग कार्यों में वरिष्ठ और अनुभवी लोगों को शामिल करके अपने नेतृत्व को मजबूत किया है।

अरबन बैंक निदेशक मण्डल की बैठक सम्पन्न

फरवरी माह में सभी शाखाओं पर विशेष ऋण अभियान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के निदेशक मण्डल की बैठक बैंक अध्यक्ष डॉ. आई.एम. सेठिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें चितौड़गढ़ एवं चन्देरिया शाखा में ऋण मेला तथा बेंगु में ऋणा मेले के साथ विशेष ग्राहक संपर्क अभियान तथा 28 फरवरी, 2023 तक सभी शाखाओं में जिले के व्यवसायियों व उद्यमियों को सुगम ऋण सुविधा प्रदान करने के दृष्टिगत विशेष ऋण स्वीकृति अभियान चलाया जायेगा तथा 50 लाख से अधिक के ऋण प्रस्ताव पर 0.5 प्रतिशत ब्याज दर में विशेष छूट दी जायेगी। प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी के अनुसार बैंक उपाध्यक्ष शिवनारायण मानधना, निदेशक राधेश्याम आमेरिया, रणजीत सिंह नाहर, बाबरमल मीणा, सीए दिप्ती सेठिया, हेमन्त शर्मा, सीए नितेश सेठिया एवं प्रबन्धन मण्डल अध्यक्ष सीए दिनेश सिसोदिया, सदस्य नरेन्द्र चोरडिया, शान्तिलाल पुंगलिया, आदित्येन्द्र सेठिया के सानिध्य में आयोजित बैठक में 31 जनवरी तक व्यावसायिक प्रगति समीक्षा, अतिदेय खातो में ऋण वसूली सहित मार्च, 2023 के मद्देनजर शाखावार लक्ष्य पूर्ति, लाभप्रदत्ता सहित कई विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। बैंक अध्यक्ष डॉ. आई.एम. सेठिया के अनुसार चालू वित्त वर्ष की समाप्ति तक आवर्ती जमा योजना हेतु विशेष प्रयास किये जायेंगे। बैठक का संचालन प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी एवं आभार उपाध्यक्ष शिवनारायण मानधना ने किया।

जेटीए पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

सरपंचों की तकनीकी सहायक पर कार्यवाही नहीं करने की मांग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पिण्डवाड़ा। समीपवर्ती ग्राम पंचायतो के सरपंचगणों ने जेटीए को पिण्डवाडा ब्लॉक में यथावत रखने की मांग को लेकर मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिरोही सहित अन्य लोंगों को ज्ञापन सौपा। सरपंचों ने बताया कि जेटीए प्रवीण सिंह पंचायत समिति पिण्डवाडा की ग्राम पंचायत नया सानवाडा, वीरवाडा, नांदिया, तेलपुर, उन्दरा, सिवेरा, झाडोली, जनापुर, कोजरा, लौटाणा, आपरीखेडा, ठण्डीवेरी, मालप व आमली में महानरेगा एवं ग्रामीण विकास योजनाओं में कार्य कर रहे है। ग्राम पंचायतों की जेटीए से किसी भी प्रकार से कोई शिकायत नहीं है। इनका व्यवहार एवं कार्यशैली उत्कृष्ट है। शिकायतकर्त्ता के द्वारा देष भावनावश एवं राजनिति कारणवश शिकायत की जा रही है। जबकि जेटीए बहारी जिले का है। झूठी शिकायतकर्त्ता पर कार्यवाही नहीं की जायें। क्योंकि ऐसा करने से निर्दोष दण्डित होंगा और स्वार्थी तत्वों के हौसले बुलन्द होंग। जबकि जेटीए प्रवीण सिंह पर नांदिया व लौटाणा में फर्जी नाप पुस्तिका भरकर महानरेगा सहित अन्य योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगे है। तथा जेटीए के विरूध जिला कलक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी की देखरेख में टीम गठित कर जांच करने की मांग की। जबकि जेटीए को हटाने बिना जांच होती है तो वो प्रभावित होने की प्रबल संभावना है। ऐसे में अब जिला कलक्टर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेटीए पर लगे आरोपों की जांच कैसे करवाते है वो आगामी दिनों में स्पष्ट हों पायेंगा। इस अवसर पर सरपंच अल्का रावल, महेन्द्र कुमार, अशोक कुमार गरासिया, योगेश कुमार, कन्या कुमारी, कैलाश सुथार, विजय सिंह चैहान, लता देवी रावल व सीता देवी गरासिया उपस्थित थें।

राज्यपाल को दी पोषक अनाज वर्ष के कार्यक्रमों की जानकारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बॉसवाड़ा के दीक्षांत समारोह के शुभ अवसर पर पधारे राजस्थान के महामहिम राज्यपाल आदरणीय कलराज मिश्र को पोषण अनाजो पर महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित "पिक्टोरियल गाइड" की प्रति कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक द्वारा भेंट की गयी। महामहिम राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे मिलेट जागरूकता अभियान एवं पोषक अनाज वर्ष पर अयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की भूरी भूरी प्रशंसा की। कुलपति डॉ कर्नाटक ने राज्यपाल महोदय को पूरे वर्ष मिलेट पर चलने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी जो अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष पर विश्वविद्यालय मना रहा है।

नगर परिषद का पट्टा वितरण कार्यक्रम आज, 201 पट्टे होंगे वितरित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। नगर परिषद द्वारा बुधवार को प्रातः 11 बजे नगर परिषद कार्यालय में राजस्थान धरोहर संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जाड़ावत के मुख्य आतिथ्य में लाभार्थियों को पट्टा वितरण किया जायेगा। आयुक्त रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत नगर परिषद चित्तौड़गढ़ द्वारा विभिन्न प्रकृति के तैयार किए गए 201 पट्टों का वितरण राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जाड़ावत के मुख्य अतिथि एवं सभापति संदीप शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को दोपहर 11 बजे नगर परिषद कार्यालय में आयोजित किया जाएगा।

तापमान परिवर्तन के बाद मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में हुई वृद्धि

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। सर्दी के मौसम में तापमान में लगातार हो रहे परिवर्तन के चलते जिला चिकित्सालय में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में वृद्धि हो गई है। जिसके कारण ज़िला चिकित्सालय के आउटडोर वार्ड में मरीजों की कतारे लगना शुरू हो गई है। जिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों का कहना है, कि सर्दी और गर्मी के मिले-जुले मौसम के चलते इन दिनों खांसी,जुकाम, वायरल बुखार जैसी बीमारियों के मरीजों की संख्या में वृद्धि हो गई है। हालांकि सामान्य दवाइयों से ही मरीज स्वस्थ हो रहे हैं, मरीजों की संख्या में वृद्धि के चलते जिला चिकित्सालय के पर्ची काउंटर दवा काउंटर रक्त जांच केंद्र आदि स्थानों पर मरीजों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही है हालांकि चिकित्सालय प्रशासन द्वारा पर्ची काउंटर पर अतिरिक्त व्यवस्था करते हुए 3 ऑपरेटर लगाए गए हैं। इसके साथ ही दवाइयां देने के लिए भी अतिरिक्त चिकित्सा कर्मी तैनात है। श्री सांवरियाजी राजकीय जिला चिकित्सालय के डॉ. भानुप्रताप सिंह ने बताया कि इन दिनों सर्द गर्म के मौसम में स्वच्छ जल और ताजा भोजन ही खाना चाहिए चिकित्सकों ने ऐसे मौसम में बच्चों का विशेष ध्यान रखने का आग्रह किया है।

शहर की सडक़ों पर पटाखे फोड़ती आधा दर्जन बुलेट जब्त

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। कोतवाली थाना पुलिस ने शहर की सडक़ों पर तेज आवाज पर पटाखे फोड़ते हुए दौड़ रही आधा दर्जन से अधिक बुलेट मोटरसाइकिलों को मोटरयान अधिनियम के तहत जब्त किया है। यह मोटरसाइकिलें अब न्यायालय द्वारा उचित कार्यवाही के बाद ही पुनः सडक़ों पर चल सकेगी। शहर कोतवाल विक्रम सिंह ने बताया कि पिछले कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि शहर में बुलेट मोटरसाइकिल के साईलेंसर बदल कर कुछ युवकों द्वारा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में तेज पटाखों की आवाज निकाल कर राहगीरों को डराया जा रहा, अचानक से विस्फोट जैसी आवाज से चौंक जाने पर अन्य वाहन चालकों से दुर्घटना होने की आशंका रहती है। बुलेट मोटरसाइकिलों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत शनिवार और रविवार को कार्यवाही करते हुए तेज आवाज में पटाखे फोड़ते दौड़ रही आध दर्जन बुलेट मोटरसाइकिलों को जब्त किया गया। इसके साथ ही यातायात नियमों के विरुद्ध चल रहे अन्य वाहनों को भी जब्त किया गया है। थानाधिकारी ने बताया कि शनिवार मध्य रात्रि कुछ बुलेट सवार लडक़ों द्वारा शहर मे पटाखे फोड़ कर लोगों को परेशान किया जा रहा है। जो पुलिस को देख कर शहर से बाहर भाग गये। इसके बाद रात में बिना नम्बर प्लेट, तेज आवाज, मोडिफाईड साईलेंसर लगी मोटरसाइकिलों को जब्त किया गया है। कोतवाली पुलिस द्वारा यह कार्यवाही अनवरत जारी रहेगी।

दाधीच समाज अध्यक्ष पद चुनाव हेतु निर्वाचन अधिकारी मनोनीत

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। दाधीच समाज की बैठक रविवार को अध्यक्ष प्रहलाद तिवारी की अध्यक्षता में श्री महर्षि दाधीच सेवा संस्थान गांधीनगर में संपन्न हुई। बैठक का मूल एजेंडा दाधीच समाज चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष पद के चुनाव का रहा। अध्यक्ष तिवारी ने वर्तमान कार्यकारिणी को भंग करते हुए दाधीच समाज के अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी दिनेश काकड़ा एवं सहायक चुनाव अधिकारी महेंद्र शर्मा को मनोनीत किया गया है। बैठक में कमला शंकर त्रिपाठी, राजकुमार शर्मा, राम प्रसाद शर्मा, सुरेश चंद्र शर्मा, दीपक दाधीच, मनोज भट्ट, ओम प्रकाश भट्ट, यशवंत दाधीच, शिव प्रकाश दाधीच, प्रेम चंद्र शर्मा, गोपाल जोशी, राधेश्याम भट्ट, सत्यनारायण शर्मा ,आनंद प्रकाश दाधीच, गोपाल भट्ट, प्रवीण जोशी, घनश्याम दाधीच, निरंजन दाधीच ,जगदीश प्रसाद ,दीपक तिवारी, संजय झोपट, सुशील शर्मा, राहुल शर्मा, संजय जोशी आदि सहित समाज जन उपस्थित थे।

डॉ. आहूजा अनुशासनात्मक कमेटी सदस्य बने

केकड़ी @ जागरूक जनता। क्षेत्र के जाने माने अधिवक्ता डॉ.मनोज आहूजा को बार कॉन्सिल ऑफ़ राजस्थान जोधपुर की अनुशासननात्मक कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है। बार कॉन्सिल ऑफ़ राजस्थान के सचिव आर पी मलिक ने बताया कि अधिवक्ताओं की सबसे बड़ी संस्था बार कॉन्सिल ऑफ़ राजस्थान है जो कि अधिवक्ता के रूप में कार्य करने वाले कानूनी परीक्षा पास करने वालों को रजिस्ट्रेशन का प्रमाण पत्र जारी करती है।तथा यदि कोई अधिवक्ता अपने व्यवसाय के अनुरूप कार्य नहीं करता है,तथा अधिनियम के अनुसार व्यावसायिक दुराचरण का परिवाद दर्ज होता है तब उस प्रकरण को सुनवाई का अधिकार बार कौन्सिल की अनुशासनात्मक कमेटी करती है।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

राहुल ने पूछा- अडाणी और पीएम का क्या रिश्ता...

बीजेपी बोली- माल्या को किसने बढ़ाया

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। लोकसभा में मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गौतम अडाणी और हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछे। राहुल ने 45 मिनट की स्पीच की शुरुआत भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पूछे गए लोगों के सवालों से की। फिर इन्हीं सवालों का हवाला देते हुए गौतम अडाणी के मुद्दे पर आ गए।

राहुल ने कहा, "2014 में गौतम अडाणी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 609वें नंबर पर थे। कुछ ही साल में न जाने क्या जादू हो गया, अडाणी इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए।" इस पर कांग्रेस सांसदों ने नारा लगाया 'मोदी है तो मुमकिन है।' इस स्पीच के दौरान NDA मेंबर्स ने ऐतराज भी जाहिर किया कि आप प्रधानमंत्री पर बिना आधार के आरोप लगा रहे हैं। आपको इसका सबूत देना चाहिए और अगर नहीं है तो देश से माफी मांगनी चाहिए।

तुर्किये-सीरिया त्रासदी : दोनों देशों में अब तक 5151 मौतें

तुर्किये के 10 राज्यों में 3 महीने के लिए इमरजेंसी लगाई गई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अंकारा। तुर्किये और सीरिया में सोमवार सुबह 4 बजे आए भूकंप में मरने वालों की संख्या 5,151 हो गई है। हजारों लोग अभी भी लापता हैं। इस बीच तुर्किये के राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोआन ने 10 राज्यों में तीन महीने के लिए इमरजेंसी लगा दी है। यह इलाके भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। एर्दोआन ने बताया कि तुर्किये में 70 देशों ने मदद भेजने का ऐलान किया है। इधर, भारत ने भी तुर्किये को मदद भेजी है। इंडियन एयरफोर्स का C-17 विमान 2 NDRF टीमों, डॉक्टरों और राहत सामग्री के साथ वहां पहुंच चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तुर्किये के हालात पर चिंता जाहिर की। मोदी मंगलवार को भाजपा संसदीय दल की बैठक में पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक मोदी ने कहा, 'आज तुर्किये जिस हालात से गुजर रहा है, उसे मैं समझ सकता हूं। 2001 में भुज में जब भूकंप आया था, तब मैं मुख्यमंत्री था। मुझे पता है कि रेस्क्यू ऑपरेशन में क्या दिक्कतें आती हैं।' भुज में आए भूकंप में 16 हजार से ज्यादा लोगों की जान गई थी। घायलों का आंकड़ा 68 हजार से ज्यादा था।गौरतलब है कि तुर्किये में 3,549 लोगों की जान जा चुकी है और 20 हजार 534 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। सीरिया में 1,602 लोग मारे गए और 2 हजार से ज्यादा जख्मी हैं। WHO ने बताया कि भूकंप प्रभावितों की संख्या 2 करोड़ 30 लाख तक हो सकती है। वहीं मरने वालों का आंकड़ा 20 हजार तक पहुंच सकता है। तुर्किये की डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी ने बताया कि 11 हजार 342 इमारतों के धराशायी होने की खबर है।तुर्किये के लिए लगभग 50 देशों ने मदद भेजने का आश्वासन दिया है।

पाक ने भारत के सी-17 विमान के लिए हवाई क्षेत्र देने से किया इनकार

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने राहत कार्यों के लिए तुर्की जाने वाले भारतीय वायु सेना के विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र में प्रवेश से इनकार कर दिया है। राहत अभियान में तुर्की की मदद करने के लिए, भारत सरकार ने एनडीआरएफ (भारतीय राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) टीमों के अनुसार चिकित्सा सहायता भेजने का वादा किया। भारत ने सेवा में अपना सबसे बड़ा मालवाहक विमान तैनात किया, बोइंग निर्मित सी-17 ग्लोबमास्टर। इनमें से पहला विमान आधुनिक ड्रिलिंग उपकरण, मेडिक्स और बचाव कुत्तों के साथ अदाना हवाई अड्डे पर उतरा। हालाँकि, CNN-News18 की रिपोर्ट के अनुसार, IAF को एक चक्कर लगाना पड़ा क्योंकि पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने के लिए उड़ान की अनुमति से इनकार कर दिया।

प्रदेश को 5वें टाइगर रिजर्व की सौगात

करौली, धौलपुर के जंगलों को जोड़कर किया जाएगा विकसित

सवाईमाधोपुर @ जारूक जनता। प्रदेश को जल्द ही पांचवे टाइगर रिजर्व की सौगात मिलने वाली है। दरअस्ल नेशनल टाइगर कनजर्वेशन अथोरियटी की ओर से वन विभाग के उस प्रस्ताव को मंजूरी दी दी है। जिसमें रणथम्भौर के दूसरे डिवीजन करौली के कैलादेवी अभयारण्य व धौलपुर के जंगलों को जोड़कर एक नया टाइगर रिजर्व घोषित करने की मांग की गई थी। 2022 की शुरूआत में वन विभाग की ओर से यह प्रस्ताव भेजा गया था।

1058 वर्ग किमी होगा कुल क्षेत्रफल

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग की ओर से करौलीए धौलपुरए सरमथुरा व भरतपुर को जोड़कर प्रदेश का पांचवा टाइगर रिजर्व बनाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए वन विभाग की ओर से प्रस्ताव तैयार करके उच्च अधिकारियों को भी भिजवा दिए गए हैं। नए टाइगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 1058 वर्ग किमी होगा।

इस क्षेत्र को किया गया शामिल

वन विभाग की ओर से उच्च अधिकारियों को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार करौली की मासलपुर रेंजए धौलपुर के झिरी वन क्षेत्र भरतपुर के वन क्षेत्र और सरमथुरा वन क्षेत्र को शामिल किया जाएगा। हालांकि वन अधिकारियों की माने तो अभी प्रस्ताव भेजे गए है और इस दिशा में काम किया जा रहा है। एनटीसीए की ओर से इस संबंध में इन प्रिंसिपल अप्रूवल जारी किया गया है। ऐसे में अब राज्य सनरकार व वन विभाग की ओर से करौली व धौलपुर को मिलाकर प्रस्तावित प्रदेश के पांचवे टाइगर रिजर्व में जल्द ही कोर व बफर इलाकों के संबंध में भी नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

नौ बाघ-बाघिनों का है मूवमेंट

वन अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में कैलादेवी अभयारण्य में कुल 5ए धौलपुर में 4 बाघ. बाघिनों का विचरण है। इसमें बाघ टी.72, टी 80 यानि तूफान बाघ टी.115, बाघिन टी.118, टी.116, बाघिन टी.117 बाघ टी-136, टी-132 आदि शामिल है। हालांकि बाघिन टी-118 व बाघ टी-132 फिलहाल ट्रेस नहीं हो पा रहे है।

खाटूश्यामजी के मंदिर में नहीं चढ़ेंगे फूल व इत्र

खाटूश्यामजी मेला 22 से शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। खाटूश्यामजी मंदिर में अब कांटेदार फूल व इत्र की शीशी नहीं चढ़ाई जा सकेगी। श्रद्धालु समूह में एकत्रित भी नहीं हो सकेंगे। भंडारों व अस्थाई दुकानों पर भी कई तरह के प्रतिबंध होंगे। खाटूश्यामजी के फाल्गुनी लक्खी मेले को लेकर मेला मजिस्ट्रेट प्रतिभा वर्मा ने इस संबंध में मंगलवार सुबह से निषेधाज्ञा लागू कर दी है। धारा 144 के तहत पांच मार्च तक लागू निषेधाज्ञा का पालन नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

इन नियमों की करनी होगी पालना

- » मेला मजिस्ट्रेट के आदेशानुसार श्याम बाबा के चढ़ावे में किसी भी प्रकार के कांटेदार फूल व कांच की शीशियों में ईत्र पर पूरी तरह से रोक रहेगी।
- » लक्खी मेले में श्रृद्धालुओं के लिए पैदल मार्ग के दोनों तरफ अस्थाई दुकान या केबिन लगाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। नगर पालिका भी ऐसी कोई दुकान या केबिन आवंटित नहीं कर सकेगी।
- » उपखण्ड क्षेत्र की सीमा में श्रृद्धालुओं के आने- जाने के मार्ग के दोनों तरफ उपखण्ड मजिस्ट्रेट दांतारामगढ़ की बिना अनुमति के कोई भी भण्डारे, ठेले, केबिन या चिकित्सा शिविर आदि नहीं लगाए जा सकेंगे।
- » बस तथा अन्य यात्रीवाहनों के लिए तय स्टेण्ड का ही उपयोग किया जा सकेगा। अन्य जगह वाहन खड़े करने पर कार्रवाई की जाएगी।
- » उपखण्ड की राजस्व सीमा में डीजे बजाने या प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध होगा। राजस्थान ध्वनि नियंत्रण अधिनियम 1963 व राजस्थान ध्वनि नियंत्रण नियम 1964 के प्रावधानों की पालना करना जरूरी होगा।
- » खाटू में किसी भी प्रकार के अस्त्र–शस्त्र का प्रयोग व प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा।

4 मार्च तक मेला, सात तक निषेधाज्ञा

खाटूश्यामजी का मेला 22 फरवरी को शुरू होगा। 12 दिवसीय मेला 4 मार्च तक फाल्गुन शुक्ल की द्वादशी तक आयोजित होगा। मेले की निषेधाज्ञा सात मार्च शाम छह बजे तक लागू रहेगी।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

होटल का बिल नहीं चुकाया, तो लग्जरी गाड़ियां जब्त : 14 फरवरी को नीलामी

19 लाख की भरपाई के लिए 58 लाख की ऑडी-क्रूज बिकेंगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में होटल बिल की रिकवरी का दिलचस्प मामला सामने आया है। यहां 2 गेस्ट लग्जरी होटल में रुके। 6 महीने खूब मौज-मस्ती की। जब 19 लाख का बिल देने की बारी आई तो खिसकने लगे। यह देख होटल मैनेजमेंट ने उनकी लग्जरी गाड़ियां ऑडी और क्रूज को ही जब्त कर लिया, जिनकी कीमत 58 लाख है। इस घटना को 5 साल बीत गए, लेकिन वे दोनों अपनी गाड़ियां लेने नहीं आए। अब चंडीगढ़ इंडस्ट्रियल एंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (CITCO) 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे के दिन इस दोनों लग्जरी गाड़ियों को नीलाम करने जा रहा है।

पहले समझिए पूरा मामला...

चंडीगढ़ के पॉश सेक्टर 17 में CITCO शिवालिक व्यू के नाम से फाइव स्टार होटल चला रहा है। साल 2018 में यहां अश्विनी कुमार चोपड़ा और रमनीक बांसल नाम के दो कस्टमर आए। वे 6 महीने तक होटल में रहे। उन्होंने यहां खूब मौज-मस्ती की और होटल की हर सुविधा का लुत्फ उठाया। जब उन्होंने चेकआउट किया तो होटल ने उन्हें 19 लाख का बिल थमा दिया। यह बिल देख दोनों की हालत पतली हो गई। पहले तो दोनों ने वहां से खिसकने की कोशिश की। मगर, होटल की सिक्योरिटी ने उन्हें पकड़ लिया। जिसके बाद उन्हें बिल भरने को कहा गया। उन्होंने बिल के नाम पर 6-6 लाख के तीन चेक दे दिए। जब होटल ने ये चेक बैंक में जमा किए तो वे बाउंस हो गए। इसके बाद होटल ने उनकी ऑडी क्यू 3 और शेवरले क्रूज गाड़ी को गिरवी रख लिया। इस घटना को पांच साल बीत गए लेकिन वे गाड़ियां लेने वापस नहीं आए। इसके बाद होटल ने इन्हें बेचकर भरपाई करने की योजना बनाई है।

गाड़ियां पंजाब नंबर की, 45 लाख की ऑडी 10 लाख में

कोर्ट से परमिशन लेने के बाद होटल ने इनकी नीलामी की तारीख तय कर दी है। इन्हें 14 फरवरी को नीलाम किया जा रहा है। इसमें 45 लाख की AUDI Q 3 का रिजर्व प्राइस 10 लाख और सवा 13 लाख की शेवरले क्रूज गाड़ी का रिजर्व रेट डेढ़ लाख रखा गया है। ऑडी 2012 और क्रूज 2016 मॉडल की है।

अन्य कार मालिक भी नहीं हुआ पेश : वहीं मामले में अन्य कार मालिक को उनकी RC के आधार पर समन जारी किया गया था, मगर वह भी पेश नहीं हुआ। सितंबर 2021 में पब्लिकेशन के आदेश दिए गए थे। वह तब भी पेश नहीं हुआ, जिसके बाद नवंबर 2021 में उन्हें भी एक्स पार्टी कर केस आगे चलाया गया।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039